

# ନିତିଦିନ

NITIDIN

Wed, Nov 29, 2017

<http://odishanewsnitidin.com>

## ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ପୂଜ୍ୟ ଗୁରୁଦେବ ରବିଶଙ୍କରଙ୍କ ଓଡ଼ିଶା ଗସ୍ତ

ଫରାଇ, ୨୦୧୯ / ଏକାଦଶୀ: ଶ୍ରୀପ୍ରମିଳ  
ମନବଦତୀ, ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ସୁମୁଖ ଏବଂ ‘ଆହଁ ତଥ  
ଲିଙ୍ଗ’ର ସମ୍ମାନକ ପରାମର୍ଶି ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ  
ଚନ୍ଦ୍ରଶ୍ରୀକୃତ୍ତିବିଜ୍ଞାନ ମହୋତ୍ସମ୍ମାନ ଏବଂ ଉତ୍ସବରେ  
ଓଡ଼ିଶା ଆସୁଥିବା। ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ପରିଷକର ଏହି  
ଅଳ୍ପପରମ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ଚନ୍ଦ୍ରଶ୍ରୀକୃତ୍ତିବିଜ୍ଞାନ, କଟକ ଏବଂ  
କଟାଯ ମାନ୍ୟ ସମ୍ମାନ ବିଜ୍ଞାନ, କୃତ୍ୟାନ୍ତର  
ଶକ୍ତିର ମଧ୍ୟ ଅନୁଭବାପେ ଅନୁଭିତ ହେବାର  
ଥୁବ ଜଣୀଏ ସମ୍ମାନି ‘ହାଯିନେୟ ଆଠ  
ଥର୍ଡ୍‌ସ୍କ୍ଵେଦ’ ରେ ମୁଖ୍ୟବଜ୍ଞା ଭାବେ  
ଯେତେବେଳେ ଏହି ଅଳ୍ପପରମ ମନ୍ଦିରରେ ଶ୍ରୀ  
ମୁଖ୍ୟ ପରିଚାଳନା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ମୋହା ବ୍ୟାକର  
ମୁଖ୍ୟ କର୍ତ୍ତାକାରୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ଧାରା ସବୁର  
ମୁଖ୍ୟ କର୍ତ୍ତାକାରୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଓ ସିମ୍ବାଦ ହେବାର  
କେବଳ ପରିଚାଳନା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ମଧ୍ୟ ମୁଖ୍ୟବଜ୍ଞା  
ଭାବେ ଯୋଗଦାନାର କର୍ତ୍ତାକାରୀ ରହିଛି ।  
ସମ୍ମାନିତାରେ ବହୁ ଶିକ୍ଷିତ, ବ୍ୟବସାୟିକ  
ସମ୍ବାଦ ପ୍ରତିନିଧି ଓ ଜାଗନ୍ମତେ ଯୋଗଦାନର  
କର୍ତ୍ତାକାରୀ ରହିଛି । ଶୁଭ୍ୟତାରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ପବିଷ୍ଟକର୍ମ  
ମହୋତ୍ସମ୍ମାନ ଉତ୍ସବ ଏବଂ ସମ୍ମାନରେ ଏହି ଜଣୀଏ  
ସମ୍ମାନ ବ୍ୟାକର ବିଶ୍ୱାସାର୍ଥ ପରିବର୍ତ୍ତନ  
ବିଭିନ୍ନ କର୍ତ୍ତାକାରୀଙ୍କେ ଯୋଗଦାନରେ ।

# ପ୍ରାମେୟ

THE PRAMEYA

• କଟକ

• ବୁଧବାର

• ୨୦ ନଭେମ୍ବର ୨୦୧୭

• CUTTACK

• WEDNESDAY

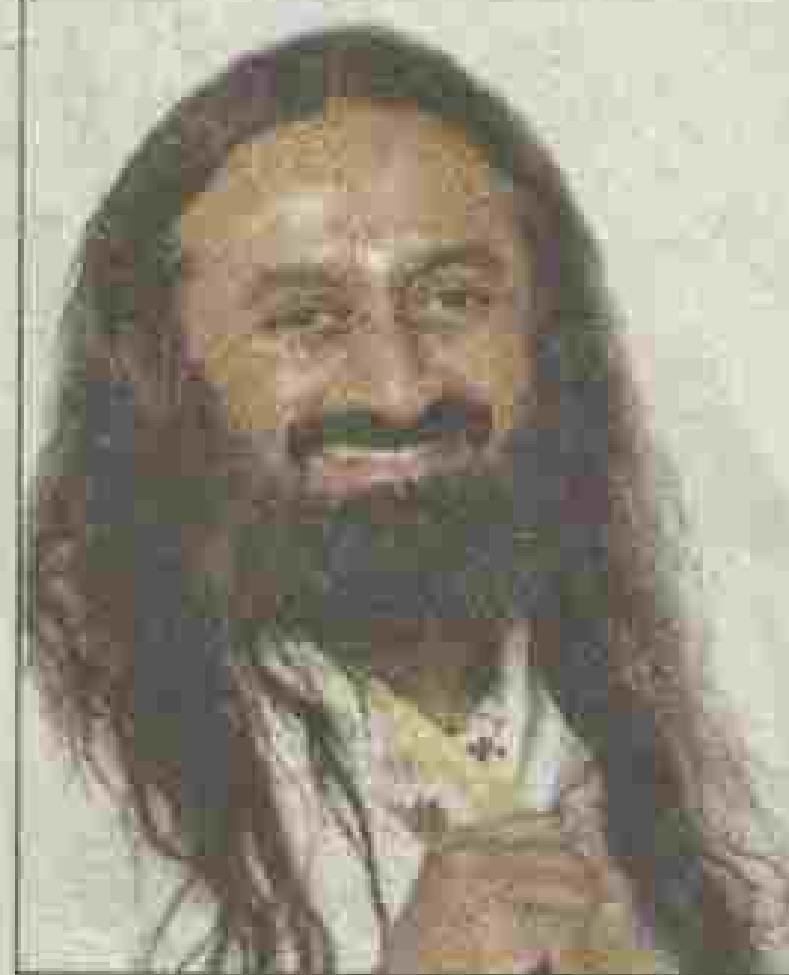
• 29 NOVEMBER 2017

## ୧୩ରେ ଓଡ଼ିଶା ଆସିବେ ରବିଶଙ୍କର

ନଗର, ୨୦୧୭(ବ୍ୟୋଗୋ): ଆଖାତ୍ମିକ ମୁରୁ ଏବଂ ଆର୍ଟ ଲିଭିଙ୍ଗର ସଂସ୍ଥାପକ ପରମପୂଜ୍ୟ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ଚବିଶଙ୍କର ଆସନ୍ତା ଏଣ୍ଠା ତାରିଖରେ ଓଡ଼ିଶା ଆସୁଇଛି । ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଆୟୋଜିତ ଏକ ଜାତୀୟ

ଆଲୋଚନାତଳ୍ଲୁ ‘ହାପିନେସ୍ ଆର୍ ପ୍ଲାର୍କ୍ସ୍‌ରେ ମୁଖ୍ୟବିଭାଗରେ ସେ ଯୋଗ ଦେଇ ଦାଖାଇ ଭାଷଣ ପ୍ରଦାନ କରିବେ । ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, କଟକ ଏବଂ ଜାତୀୟ ମାନବ ସମ୍ବଲ ବିଭାଗ, ଭୁବନେଶ୍ୱର ଶାଖାର ମିଳିତ ଆନୁକୂଳ୍ୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହେବାକୁ ଥିବା ଜାତୀୟ ସମ୍ବଲନାରେ ନାଲକୋ ମୁଖ୍ୟ ପରିଚାଳନା

ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ଦୋହା ବ୍ୟାଙ୍କର ମୁଖ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟବାହୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ଧାମରା ବନ୍ଦରର ମୁଖ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟବାହୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଓ ସିମେନ୍ସ ହେଲଥ କେୟାରର ପରିଚାଳନା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ପ୍ରମୁଖ ବକ୍ତା ଭାବେ ଯୋଗ ଦେବେ । ସମ୍ବଲନାରେ ବହୁ ଶିକ୍ଷାବିତ୍, ବ୍ୟକ୍ତସାମିକ ସଂସ୍ଥାର ପ୍ରତିନିଧି ଓ ରାଜନୈତିକମାନେ ଯୋଗଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି । ଏହି ଦ୍ୱିତୀୟ ଜାତୀୟ ସମ୍ବଲନାର ମୁଖ୍ୟ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟପୂଲାରେ ଏକ ଚିତ୍ତମୁକ୍ତ ବାଚାବନା ସୃଷ୍ଟି କରି କିପରି କାର୍ଯ୍ୟସିଦ୍ଧି କରାଯାଇପାରିବ । ମୁରୁଦେବ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ଏହି ଜାତୀୟ ସମ୍ବଲନା ବ୍ୟତୀତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ବିଭିନ୍ନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଯୋଗ ଦେବେ ।



# Cuttack: Conference on 'happiness at workplace' concludes

TNN | Dec 15, 2017, 10:06 PM IST

CUTTACK: The two day conference organized by Sri Sri University in association with National Human Resource Development Network here on "happiness at workplace" concluded on Friday.

The conference was inaugurated by spiritual guru and founder of Art of Living, Sri Sri Ravi Shankar. On the occasion, the spiritual guru had urged people to realize the value of happiness and embrace it. "If you start accepting, happiness will come on its own. There is no need to search happiness," said Ravi Shankar. Union minister Dharmendra Pradhan had also graced the inauguration ceremony while the valedictory programme was attended by state higher education minister Ananta Das.

This national conference was one of its kind. Its objective was no to train and impart management related knowledge to people and help them in getting a better and happier vision for life, that will directly impact their productivity at workplace.

"The conference is aimed at nurturing the happiness quotient at workplace, discoursing about the ethical issues, determining the best HR practices for the engagement of the employees," said an official of the university.

Entrepreneurs, technocrats as well as students from across the country had participated in the conference.

# Odisha Higher Education Minister chaired Valedictory session of National Conference “Happiness @ Workplace”

December 15, 2017

224

SHARE

[Facebook](#)

[Twitter](#)



Cuttack: The closing day that was set to conclude the successful two-day National Conference took place at 11am on 15th December' 2017 in the premises of Sri Sri University. This Valedictory session was chaired by Chief Guest, Shri Ananta Das, Hon'ble Minister of Higher Education, Govt. of Odisha and Guest of Honour, Mr. Nitin Chandra, IAS, Principal Secretary, SSEPD, Govt. of Odisha.

National Conference “Happiness @ Workplace” aimed at nurturing the happiness quotient at workplace, discoursing about the ethical issues, determining the best HR practices for the engagement of the employees. This conference not just benefitted the delegates but the society as a whole. It witnessed entrepreneurs, technocrats as well as students from all over the country. It aimed at setting up a foundation for a content society leading to happiness at workplace. The delegates got the opportunity to learn the management practices from the best academicians and gain knowledge from the most experienced industry leaders from all over the country. This national conference was one of its kind as its objective was not only to train and impart management related knowledge to its delegate members but it also helped them get a

better and happier vision for life which will directly impact the productivity at workplace. This endeavour proved to be fruitful to the society and mankind at large and has succeeded in conveying the need of the hour- Happy and contented minds will give rise to a happy and sustainable workplace.

The other dignitaries who graced the closing ceremony of National Conference “Happiness @ Workplace” included Mrs. Rajita Kulkarni, President Sri Sri University, Prof. (Dr.) Nand Lal, Vice-Chancellor, Sri Sri University, Mr. Narendra Lamba, Director Operations, Sri Sri University and Prof. Dr. P. Srinivas Subbarao, Conference Convener, Dean of Faculty of Commerce and Management Studies and Student Welfare.

The second day started off with four technical sessions which intended at conveying techniques to curb stress at workplace and inculcating a spiritual, sustainable and happy business environment. The chairpersons of the technical sessions included renowned and experienced dignitaries namely, Mr. Vinod Menon, Sr. Corporate Trainer at Art of Living, Mr. S.C. Choudhary, IRS, Former Chief Commissioner, Customs and Central Excise Chairman, SEEDS India, Prof. Dr. Prabhat Kumar Mohanty, Utkal University and, Ms. Mukul Rastogi, Head HR & CSR, ITC, New Delhi.

The Valedictory event started off at 4pm in the evening with the words from Prof. (Dr.) Nand Lal, Vice Chancellor, Sri Sri University where he spoke about the grand success of the conference.

Shri Ananta Das then took the floor and explained the importance of happiness in a person’s life and that how without sorrow there is no happiness. He also appreciated Sri Sri University’s remarkable growth in the field of imparting education to students from different diversities and exclaimed that this university will very soon become a pioneer in bringing a spiritual edge to the educational streams.

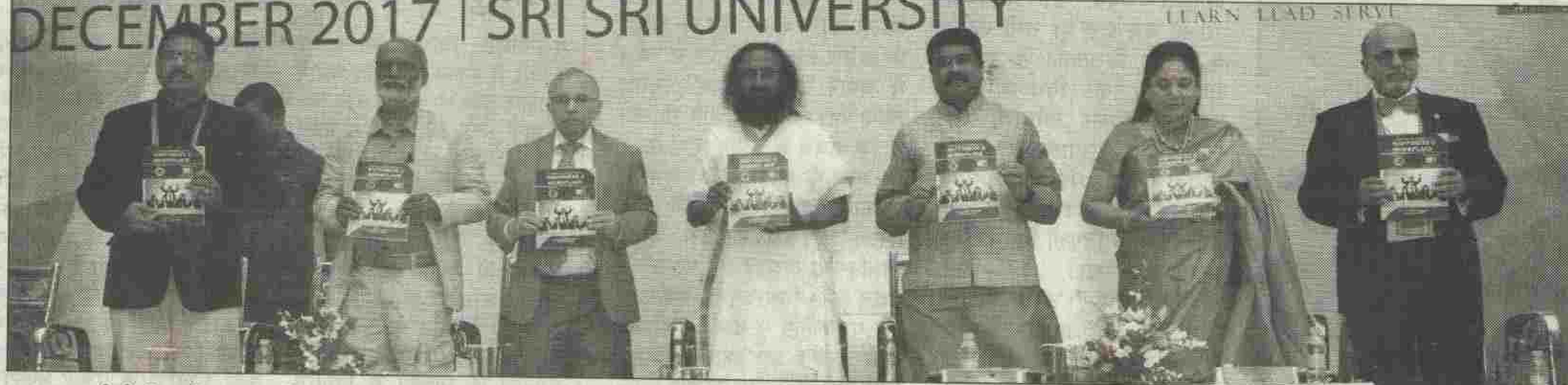
Finally, the ceremony concluded with a Vote of Thanks proposed by Prof. Dr. P. Srinivas Subbarao to the dignitaries and speakers for gracing the event with their presence and words of wisdom. He also showed sincere gratitude to the delegates, invitees and the entire team and fraternity behind the successful conference.

15 दिसंबर, 2017

## श्रीश्री विश्वविद्यालय में 'हैप्पीनेस एट वर्कप्लॉस' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

DECEMBER 2017 | SRI SRI UNIVERSITY

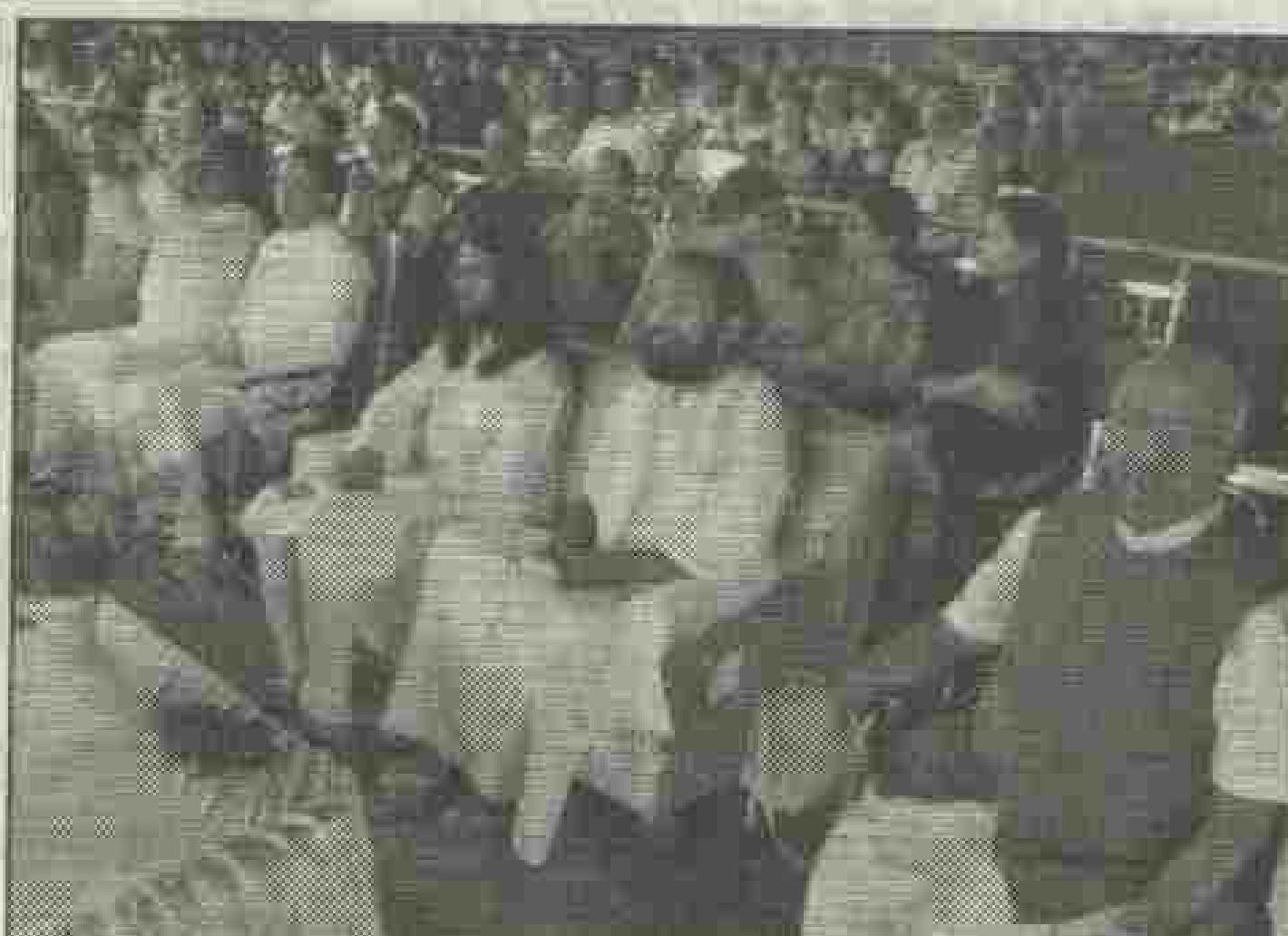
LEARN LEAD SERVE



**कटक :** श्रीश्री विश्वविद्यालय की ओर से 'हैप्पीनेस एट वर्कप्लॉस' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन गुरुवार को राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क (एनएचआरडीएन) के भुवनेश्वर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में श्रीश्री रविशंकर ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि घर में खुशियां हो तो कार्यस्थल पर भी खुशियां होंगी। यहां कुछ ऐसा है जो हममें पहले से है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्य महिला व बाल विकास मंत्री प्रफुल्ल सामल, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, एनएचआरडीएन के अध्यक्ष पार्थसारथी मित्र, दोहा बैंक के सीईओ डा आर सीतारमण, अदानी धामरा पोर्ट के सीईओ सुब्रत त्रिपाठी, श्रीश्री विश्वविद्यालय तथा बल्ड फोरम आफ एथिक्स की अध्यक्ष राजिता कुलकर्णी, एमएसएमई विभाग, ओडिशा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव एलएन गुप्ता, एफसीएमएस के डीन

डा पी सुब्बाराव तथा श्रीश्री विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर डा नन्द लाल प्रमुख रूप से उपस्थित थे। मंत्री प्रफुल्ल सामल ने मौके पर अपने संबोधन में कार्यस्थल पर खुशियों के महत्व पर ध्येय धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि समाज में आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर परे विश्व में शांति व सद्भावना के सदैश का प्रचार के प्रतीक बने हैं। वहां ओडिशा की भूमि पर श्रीश्री विश्वविद्यालय समाज व राष्ट्र में शांति व खुशी के प्रति महत्वपूर्ण भूमिका लेगी। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल समेत जीवन में शांति अत्यंत जरूरी है। समाज के द्वादशांतक स्थिति के लिए कार्यालय-घर सब तरफ अशांति का बातावरण है। प्रत्येक व्यक्ति के मन में ढंग लगा हुआ है। श्रीश्री रविशंकर भारत वर्ष को शांति के लिए नया दृष्टिकोण दे रहे हैं। इस दो दिवसीय सम्मेलन के लिए 38 पेपरों का चयन किया गया है। इसमें माइंड मैनेजमेंट के विशेषज्ञों तथा रोचक शोध पेपरों के लिए दो सत्र चलेंगे।

### स्वास्थ्य एवं आध्यात्म कार्यक्रम मनी



**कटक :** एससीबी मेडिकाल कालेज के रेसिडेंसी डाक्टर एसोसिएशन की ओर से गुरुवार को मेडिकाल खेल मैदान में स्वास्थ्य एवं आध्यात्म पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। एसोसिएशन के अध्यक्ष डा ज्योतिमयी नायक ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। आर्ट आफ लिविंग एवं श्री श्री विश्वविद्यालय के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर ने स्वास्थ्य एवं आध्यात्म के विषय में विस्तृत जानकारी दी और कहा कि आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलकर इंसान स्वस्थ व तंदरुस्त रह सकता है। भारतीय परंपरा एवं संस्कृति में आध्यात्म को प्राथमिकता दी गई है। समाज में

आध्यात्म की कमी से हिंसा एवं कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। आध्यात्मिक चेतना ही मनुष्य को शांति प्रदान कर सकता है। रविशंकर को एससीबी मेडिकाल कालेज के अध्यक्ष तथा डीन डा सिद्धार्थ दास ने फूलों से स्वागत किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष डा सिद्धार्थ दास एवं मेडिकाल के सुपरिंटेंडेंट डा श्यामा कानूनगो ने स्वास्थ्य एवं आध्यात्म पर जोर दिया। कार्यक्रम में डा किशनलाल भरतिया, प्रोफेसर पूर्णचंद्र महापात्र, डा कृपासिंधु पंडा, एवं कई चिकित्सक व विद्यार्थी उपस्थित थे। डा नंगेंद्र कुमार राजसामंत ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

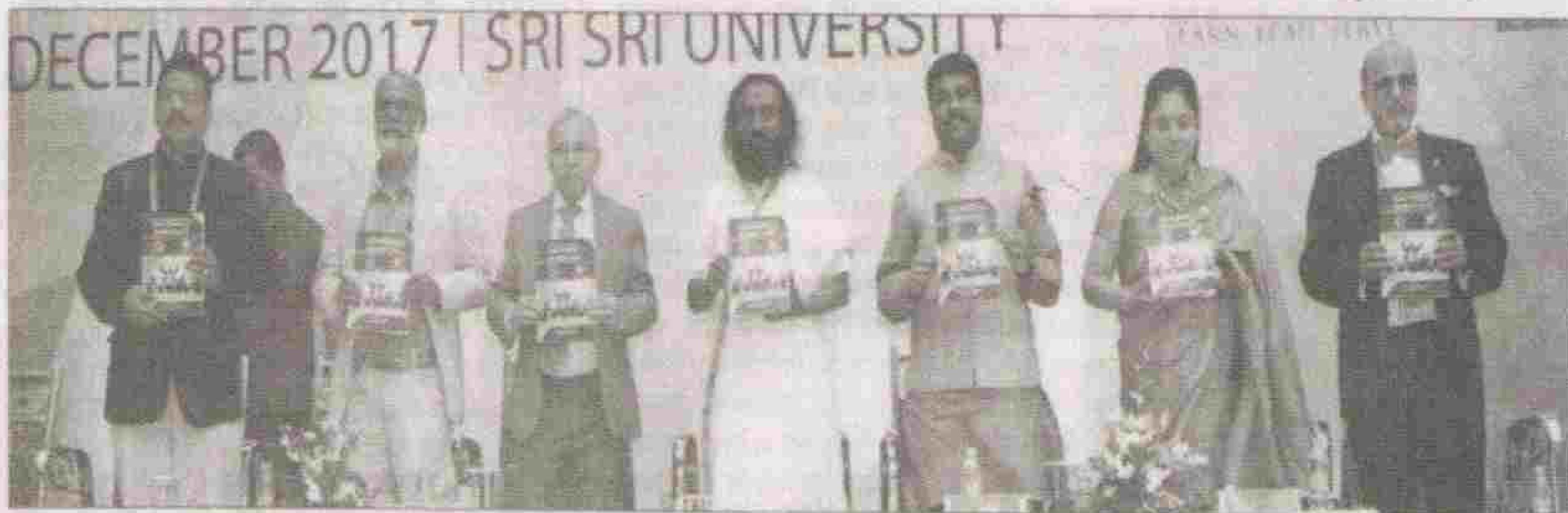
# SRI SRI UNIVERSITY PRESS CLIPPING



सन्मार्ग  
हिन्दी दैनिक

Dated 15th Dec 2017

## श्रीश्री विश्वविद्यालय में 'हैप्पीनेस एट वर्कप्लेस' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन



**कटक :** श्रीश्री विश्वविद्यालय को ओर से 'हैप्पीनेस एट वर्कप्लेस' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन गुरुग्राम को राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क (एनएचआरडीएन) के भूत्तेश्वर बैष्ण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में श्रीश्री गविंशकार ने मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया है जो कार्यक्रम पर भी खुशियाँ होंगी। वहाँ कुछ ऐसा है जो हमने पहले से है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्र महिला व बाल विकास अंग्रेजी प्रफुल्ल सामूहि, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस अंग्रेजी भारतीय प्रधान, एनएचआरडीएन के अध्यक्ष पार्वीनाथी मिश्र, देहू बैंक के मीडिओ और अंतर्राष्ट्रीय अद्यती शामिल रहे। के मीडिओ मुख्य विश्वविद्यालय तथा कर्तव्य फोरम आफ एविएशन की अध्यक्ष गविंशकार कृतकारी, एमएसएमई विभाग, ओडिशा सरकार के अधिकारी नुख्ल गविंश एवं गुरु, एमसीएमएस के डीन

### स्वास्थ्य एवं आध्यात्म कार्यक्रम मनी



**कटक :** एमसीबी मेडिकल कालेज के रोमहेंसी डॉक्टर एमोसिएशन को ओर से गुरुग्राम को मेडिकाल हेल्प पैदान में स्वास्थ्य एवं आध्यात्म पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। एमोसिएशन के अध्यक्ष डा. अंतर्विनयी नाथक ने इस कार्यक्रम को अभ्यलक्षण की। अट ब्राफ लिंचिंग एवं श्री श्री विश्वविद्यालय के सम्बादक श्रीश्री गविंशकार ने स्वास्थ्य एवं आध्यात्म के विषय में विस्तृत बातें की और कहा कि आध्यात्मिक कार्यक्रम के माने पर चलकर इसका सम्बन्ध व तंत्रज्ञान का सकारा है। भावोदय परिषद एवं संस्कृत में आध्यात्म को प्राथमिकता दी गई है। समाज में जागरूकता व ज्ञान का उद्घाटन का उद्देश्य द्वारा गुरु, एमसीएमएस के डीन

जाग्यात्म की कमी से हिस्सा एवं कई इकाइयों की समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं। आध्यात्मिक चेतना ही मनुष्य को ज्ञान उत्पन्न कर सकता है। रोगिकार को एमसीबी मेडिकल कालेज के अध्यक्ष तथा डीन डा. मिद्दार्थ दास ने फूलों से स्वागत किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष डा. मिद्दार्थ दास एवं मेडिकाल के मुख्यांतिकों डा. श्वामा कानमार्गे ने स्वास्थ्य एवं आध्यात्म पर बोर्ड दिया। कार्यक्रम में डा. फिल्मलाल भाविता, ग्रोफेसर पृष्ठोंबेंद्र महानार, डा. कृष्णसिंह यंदा एवं कर्डियोलॉजी व विद्यार्थी उपस्थित वा. डा. गोदू कुमार राजसमाजेत ने शप्तवाद जपन किया।

डा. पी. सुभायव तथा श्रीश्री विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ग्रोफेसर डा. नन्दलाल प्रमुख हैं से उपस्थित हैं। भजी प्रश्नन समाज ने मौका पर जपने सबोधन में कार्यक्रम पर लोगों के महत्व पर ध्यान दिया। धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि समाज में आध्यात्मिक एवं श्रीश्री गविंशकार पर विश्व में ज्ञान व सद्बोधन के महान् का प्रचार के प्रतीक बने हैं। वहाँ ओडिशा की भूमि पर श्रीश्री विश्वविद्यालय समाज व राष्ट्र में ज्ञान व खुशी के प्रति नहत्याण भूमिका लेंगी। धर्मेन्द्र कहा कि कार्यक्रम समेत लोकन में ज्ञान असंत बढ़ने हैं। समाज के द्रुतावक स्थिति के लिए कार्यालय-घर सब तरफ ज्ञानी का बातावरण है। प्रत्येक व्यक्ति के मन में दृढ़ लगा हुआ है। श्रीश्री गविंशकार भास वालों की ज्ञान के लिए नवा दृष्टिकोण दे रहे हैं। इस दो दिवसीय मम्मेलन के लिए 38 पेशे का बयान किया गया है। इसमें माइड मैनेजमेंट के विशेषज्ञों तथा गोवक शोध पेशे के लिए दो सप्त बत्सरे।



14 DECEMBER THURSDAY 2017 BHUBANESWAR

ଗୁରୁବାର, ଡିସେମ୍ବର ୧୪, ୨୦୧୭

## ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁଙ୍କୁ ସ୍ଵାଗତ ସମ୍ବର୍ଣ୍ଣନା



**ବାରଙ୍ଗ, (ଆୟ):** ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ମାନବବାଦୀ ଓ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁ ଶ୍ରୀରବିଶ୍ଵାର ହାତିଆ ଓଡ଼ିଶା ଗ୍ରହଣରେ ଆସିଛନ୍ତି। ଭୁବନେଶ୍ୱରର ବିଜୁ ପଟ୍ଟନାୟକ ଆନନ୍ଦଚିତ୍ରି ବିମାନ ବନ୍ଦରରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ତାଙ୍କୁ ସ୍ଵାଗତ ସମ୍ବର୍ଣ୍ଣନା ଦିଆଯାଇଛି। ସେଠାରୁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପହଞ୍ଚି ସମସ୍ତ ଅଧ୍ୟାପକମାନଙ୍କ ସାମରେ ଆଲୋଚନା କରିଛନ୍ତି। ସଂଖ୍ୟାବେଳେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ

ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପ୍ରାଜ୍ଞାଣରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ମହାସତସଗରେ ଉଦ୍‌ବେଦନ ଦେଇ ଆସାର ସୁଖ କିପରି ପ୍ରକୃତ ମାନସିକ ସୁଖ ହୋଇଥାଏ ତଥା ନାଶ୍ୟା କରିଛନ୍ତି। ଏହି ଅବସରରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଆଗାମୀ ଶିକ୍ଷାବର୍ଷ ପାଇଁ ୭୮ ମୁଢି ନୂଆ ବିଷୟ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ସେ ଘୋଷଣା କରିବା ସହ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସାଂସ୍କୃତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଗୋପନର ଫ୍ରେବସାଇଟ୍, ମଧ୍ୟ ଉନ୍ନ୍ତ୍ବାଚନ

କରିଥିଲେ। ରବିଶକ୍ରମ କର୍ମସେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ ଶାର୍ଷକ ଜାତୀୟ ଆଲୋଚନା ଚକ୍ରର ମୁଖ୍ୟବତ୍ତା ରୂପେ ଯୋଗଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଭାବେ ସରକାରର ପେଟ୍ରୋଲିୟମ ଓ ଲେବିକ ବାଷମରୀ ଧର୍ମେତ୍ର ପ୍ରଧାନ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଓ ଓଡ଼ିଶା ସରକାରର ଉତ୍ସବ ସମ୍ବର୍ଣ୍ଣନା ମହା ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ସାମଳ ସମ୍ବାନ୍ଧିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେବେ ବୋଲି ଜଣାପଡ଼ିଛନ୍ତି।

ଓଡ଼ିଶା

ବ୍ରାହ୍ମକୁଳ

ODISHA BHASKAR

15 DECEMBER FRIDAY 2017 BHUBANESWAR

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ଶୁକ୍ରବାର, ତିଥେଯର ୧୫/୨୦୧୭

## ହସିବା ମଣିଷର ସହଜାତ ପ୍ରବୃତ୍ତି: ରବିଶଙ୍କର

କଟକ, (ଆପ୍ର): ଶିଶୁଚିର ବିନା କାରଣରେ ହସେ । କେବଳ ରୋକ ଲାଗିବା ବା ଆୟାତ ଯୋଗୁଁ କଷ ପାଇଲେ ସେ କାହେ । ହସିବା ମନୁଷ୍ୟର ସହଜାତ ପ୍ରବୃତ୍ତି । କିନ୍ତୁ ଏବେ ଅଣିକାଂଶ ବ୍ୟକ୍ତି ବିନା କାରଣରେ ଦୁଃଖ ହେଉଛନ୍ତି । ଶିଶୁଚିର ଦିନକୁ ୪୦୦ ଥର ହସିଥାଏ । କିନ୍ତୁ କୌଣସି କୌଣସି ବ୍ୟକ୍ତି ୪୦୦ ଦିନରେ ଥରେ ହସିବା ଦେଖାଯାଏ । କିନ୍ତୁ ଏହି ପ୍ରବୃତ୍ତିରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେବା ଆବଶ୍ୟକ । ଘରେ ନିଜେ ହସ ଖୁସିରେ ରହିବା, ଅନ୍ୟକୁ ଖୁସିରେ ରହିବାକୁ ଦେବା, ଘରୁ ବାହାରିବାଠାରୁ କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରକୁ ଯିବା ଓ ସେଠାରେ ଆନନ୍ଦର ବାତାବରଣ ସହ କାର୍ଯ୍ୟକରି ମନୁଷ୍ୟ ସୁସ୍ଥ ଜୀବନଯାପନ

କରିପାରିବ ବୋଲି ଗୁରୁଗାର ପୂର୍ବାହ୍ନରେ କଟକ ନଗର ନିକଟରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟଠାରେ ‘କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ’ ଶାର୍ଟକ ଜାତୀୟଭାବୀ କର୍ମଶାଳାରେ ବିଶ୍ୱ ପ୍ରସିଦ୍ଧ ମାନବବାଦୀ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁ ପରମପୂଜ୍ୟ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ମୁଖ୍ୟ ବଢ଼ାଭାବେ ଯୋଗଦାନ କରି ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଜାତୀୟ ମାନବ ସଂବଳ ସଂସ୍ଥା, ଭୁବନେଶ୍ୱରର ମିଳିତ ଆନନ୍ଦକୁଳ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଶ୍ରୁତି କ୍ୟାମିଶ୍ଵରେ ଆଯୋଜିତ ଏହି କର୍ମଶାଳାରେ ସମ୍ମଗ୍ର ଦେଶ ତଥା ବିଦେଶରୁ ଅଧ୍ୟୟନ କ୍ଷେତ୍ର, ବ୍ୟବସାୟ,

ପ୍ରଶାସନ, ବିଜ୍ଞାନ ତଥା ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଜଗତରୁ ଶତାଧିକ ଜଣାଶ୍ରୀର ବ୍ୟକ୍ତି ଯୋଗଦେଇ ଥିଲେ । କର୍ମଶାଳାରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ କେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରେସ୍, ପ୍ରାକୃତିକ ବାଷ୍ପ, ଦସ୍ତା ବୃଦ୍ଧି ଓ ଉଦ୍‌ଦେୟାଗ ବିକାଶ ମାତ୍ରା ଧର୍ମେତ୍ର ପ୍ରଧାନ ଯୋଗଦେଇ କହିଲେ ଯେ, ବର୍ଷମୀନ ସମାଜରେ ଖୁସିର ମାତ୍ରା ଧିରେ ଧିରେ କମିକାରେ ଲାଗିଛି । ପରିବାର ହେଉ କି ସମାଜ ହେଉ, କୌଣସି ନା କୌଣସି କାରଣରୁ ପାରସ୍ପରିକ ଦ୍ୱାରା, ମତପାର୍ଥକ୍ୟ ଥାବି ଯୋଗୁଁ ସଂପର୍କରେ ଚିତ୍ତତା ସୃଷ୍ଟି ହେତୁ ଖୁସି ନଷ୍ଟ ହେଉଛି ।

ସାରା ବିଶ୍ୱକୁ ଶାନ୍ତି ଓ ଆନନ୍ଦର ବାର୍ତ୍ତା ଦେଇ ଆସୁଥିବା ବିଶ୍ୱ ପ୍ରସିଦ୍ଧ ମାନବବାଦୀ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁ

ରବିଶଙ୍କରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଶୈକ୍ଷିକ ପରିବେଶ, ପାଠ୍ୟ ଜୟତା, ସାଂସ୍କୃତିକ ଓ ମୂଳ୍ୟବେଳେ ଭିତ୍ତିକ ବୋଲି ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ । ସମ୍ମିଳନରେ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ମହିଳା, ଶିଶୁ ବିକାଶ, ଅଣ୍ଣ, ସ୍ତ୍ରୀ, ମଧ୍ୟମ ଶିକ୍ଷଣ ଉଦ୍‌ଦେୟାଗ ଓ ଭିନ୍ନକ୍ଷମ ସଂକଳିତରଣ ବିଭାଗ ମଧ୍ୟ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ସାମଳ, ବିଭାଗୀୟ ଅତିରିକ୍ତ ମୁଖ୍ୟ ଶାସନ ସଚିବ ଲକ୍ଷ୍ମୀ ନାରାୟଣ ଗୁପ୍ତ, ଜାତୀୟ ମାନବ ସମ୍ମଳ ସଂସ୍ଥାର ମୁଖ୍ୟ ପାର୍ଥ ସାରଥା ମିଶ୍ର ପ୍ରମୁଖ ରବିଶଙ୍କରଙ୍କ ଆବଶ୍ୟକ ଅନୁଗ୍ରାହୀର ହେବାକୁ ଯୁବଗୋଷୀକୁ ଆହାନ ଜଣାଇଥିଲେ ।



14 DECEMBER THURSDAY 2017 BHUBANESWAR

ଶୁଭବାର, ତିଥେମ୍ବର ୧୪, ୨୦୧୭

## ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁଙ୍କୁ ସ୍ଵାଗତ ସମ୍ବର୍ଣ୍ଣନା



ବାରଙ୍ଗ, (ଆପ୍ର): ବିଶ୍ୱପ୍ରସିଦ୍ଧ ମାନବଚାହୀ ତଥା ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁ ଶ୍ରୀରବିଶଳଗ୍ନ ହିନ୍ଦୀଆ ଓଡ଼ିଶା ଗ୍ରହରେ ଆସିଛନ୍ତି । ଭୁବନେଶ୍ୱରର ବିଜୁ ପଟ୍ଟନାୟକ ଆକର୍ତ୍ତିକ ବିମାନ ବନ୍ଦରରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ତାଙ୍କୁ ସ୍ଵାଗତ ସମ୍ବର୍ଣ୍ଣନା ଦିଆଯାଇଛି । ସେଠାରୁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପହଞ୍ଚି ସମସ୍ତ ଅଧ୍ୟାପକମାନଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ଆଲୋଚନା କରିଛନ୍ତି । ସଂଧାବେଳେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ

ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପ୍ରାଙ୍ଗଣରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ମହାସତସଙ୍ଗରେ ଉଦ୍‌ବୋଧନ ଦେଇ ଆମାର ସୁଖ କିପରି ପ୍ରକୃତ ମାନସିକ ସୁଖ ହୋଇଥାଏ ତାହା ବାଜାମା କରିଛନ୍ତି । ଏହି ଅବସରରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଆଗମା ଶିକ୍ଷାବର୍ଷ ପାଇଁ ୩୮ ମୁଆସା ବିଷୟ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ସେ ଗୋଟିଏ କରିବା ସହ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସାଂସ୍କୃତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଓ ରାଯନର ହେବସାଇଟ୍, ମଧ୍ୟ ଉନ୍ନୟନର ହେବସାଇଟ୍, ମଧ୍ୟ ଉନ୍ନୟନର

କରିଥିଲେ । ରବିଶକ୍ରର କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ ଆମୟ ଶାର୍କ୍ଷକ ଜାତୀୟ ଆଲୋଚନା ଚକ୍ରରେ ମୁଖ୍ୟବତ୍ତା ଗ୍ରହିତେ ଯୋଗଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଭାରତ ସରକାରର ପେଟ୍ରୋଲିୟମ ଓ ଜ୍ଵେଲିକ ବାଷପମାତ୍ରା ଧର୍ମେତ୍ର ପ୍ରଧାନ ମନ୍ତ୍ରୀ ଅତିଥି ତଥା ଓଡ଼ିଶା ସରକାରର ଭିନ୍ନଭିନ୍ନ ସଂକଳିତ ମହା ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ସାମଳ ସମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେବେ ବୋଲି ଜଣାପଡ଼ିଛି ।

ଓଡ଼ିଶା

# ବ୍ରଜକିତ୍ତବ୍ରତ

ODISHA BHASKAR

16 DECEMBER SATURDAY 2017 BHUBANESWAR

ଶନିବାର, ଡିସେମ୍ବର ୧୭, ୨୦୧୭

## ‘କର୍ମଷ୍ଟେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ’ ଶୀର୍ଷକ ଆଲୋଚନାକୁ ଉଦ୍ୟାପିତ



ବାରଙ୍ଗ, (ଆପ୍ର): ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ‘କର୍ମଷ୍ଟେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ’ ଶୀର୍ଷକ ଜାତୀୟ ଆଲୋଚନାକୁ ଶୁଭ୍ରବାର ଉଦ୍ୟାପିତ ହୋଇଯାଇଛି । ଉଦ୍ୟାପନୀ ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଡଢ଼ି ଶା ସରକାରର ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ ଅନୁତ୍ତ ଦାସ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ତଥା ଭିନ୍ନଭିନ୍ନ ସଂଗ୍ରହିତ ବିଭାଗର ପ୍ରମୁଖ ସତିବ ନିତିନ ଚନ୍ଦ୍ର ସନ୍ଧାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ

ଯୋଗଦେଇଥିଲେ । ଏହି ଜାତୀୟ ସଂକଳନାରେ କିପରି ସବେଳେ ସହ କର୍ମଷ୍ଟେତ୍ରରେ ହସଖୁସିରେ କର୍ମ କରିବେବ ସେ ବିଷୟରେ ଆଲୋଚନା କରାଯାଇଥିଲା । ଏହି ସଂକଳନୀଟି ବାଣିଜ୍ୟ, ପ୍ରଶାସନ, ଅଧ୍ୟେ ଏବଂ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଜଗତରୁ ବହୁତ ବ୍ୟକ୍ତି ଯୋଗଦେଇଥିଲେ । ସୁଖା ଏବଂ ସ୍ଵର୍ଗପୂର୍ବ ବ୍ୟକ୍ତି ସଫଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଗୁପ୍ତାଧିକାର କରିପାରିବ ଏହା ଏହି

ସଂକଳନୀର ଏକ ମୁଖ୍ୟ ସମାବେଶ ରହିଥିଲା । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକୁମରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସଭାପତି ରଜିତ କୁଳକର୍ମ, ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ଡା. ନନ୍ଦଲାଲ, କାର୍ମକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ନରେନ୍ଦ୍ର ଲମ୍ବା, ଜାତୀୟ ମାନବ ସମଳ ସଂସାଧାନ ସଂସ୍ଥା ଭୁବନେଶ୍ୱର ମୁଖ୍ୟ ପାର୍ଥସାରଥୀ ମିଶ୍ର ଏବଂ ପ୍ରବନ୍ଧନ ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟ ଡା. ଶ୍ରାନ୍ତିବାସ ସୁବାରାଓ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ ।

ଓଡ଼ିଶା



ODISHA BHASKAR

16 DECEMBER SATURDAY 2017 BHUBANESWAR

ଶନିବାର, ଡିସେମ୍ବର ୧୭, ୨୦୧୭

## ‘କର୍ମଷେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ’ ଶାର୍ଷକ ଆଲୋଚନାଟକୁ ଉଦ୍ୟାପିତ



ବାରଙ୍ଗ, (ଆସ୍ତ୍ର): ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ‘କର୍ମଷେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ’ ଶାର୍ଷକ ଜାତୀୟ ଆଲୋଚନାଟକୁ ଶୁଭବାର ଉଦ୍ୟାପିତ ହୋଇଯାଇଛି । ଉଦ୍ୟାପନୀ ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଓଡ଼ିଶା ସରକାରର ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ ଅନୁତ୍ତ ଦାସ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ତଥା ଭିନ୍ନଭିନ୍ନ ସଂଗ୍ରହିତ ବିଭାଗର ପ୍ରମୁଖ ସର୍ବିଚ୍ଛିନ୍ନ ନିତିନ ଚନ୍ଦ୍ର ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ

ଯୋଗଦେଇଥିଲେ । ଏହି ଜାତୀୟ ସମ୍ମିଳନାରେ କିପରି ସତ୍ରରେ ସହ କର୍ମଷେତ୍ରରେ ହସଖୁସିରେ କର୍ମ କରିଛେବ ସେ ବିଷୟରେ ଆଲୋଚନା କରାଯାଇଥିଲା । ଏହି ସମ୍ମିଳନୀୟ ବାଣିଜ୍ୟ, ପ୍ରଶାସନ, ଅଧ୍ୟେ ଏବଂ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଜଗତରୁ ବହୁତ ବ୍ୟକ୍ତି ଯୋଗଦେଇଥିଲେ । ସୁଖୀ ଏବଂ ସୁଧାରମୂର୍ତ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତି ସମ୍ପଦ କାର୍ଯ୍ୟ ରୂପାୟନ କରିପାରିବ ଏହା ଏହି

ସମ୍ମିଳନୀୟ ଏକ ମୁଖ୍ୟ ସମ୍ବାଦ ରହିଥିଲା । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସରାପତି ରଜିତା କୁଳକର୍ଣ୍ଣ, ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ଡ. ନନ୍ଦଲାଳ, କାର୍ମିକ ନିର୍ବିଶ୍ଵକ ନରେନ୍ଦ୍ର ଲମ୍ବା, ଜାତୀୟ ମାନବ ସମ୍ବଲ ସଂସାଧାନ ସଂସ୍ଥା ଭୁବନେଶ୍ୱର ମୁଖ୍ୟ ପାର୍ଶ୍ଵସାରଥୀ ମିଶ୍ର ଏବଂ ପ୍ରବନ୍ଧନ ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟ ଡ. ଶ୍ରାନ୍ତିବାସ ସୁରାରାତ୍ର ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ ।

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୫ ଡିସେମ୍ବର, ୨୦୧୭

ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘ହାପିନେସ ଆଟ କାର୍ଗିଫେସ’ ରାତ୍ରୀୟ ସେମିନାର

# ‘ଦୂଦର ଉପରକୁ ଛଠି ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାୟ୍ୟ’

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୪୧୭ : ସମାଜରେ ଦୂଦର ସ୍ଥିତି ରହିଥିବା ବେଳେ ସମାଜରେ ଶାନ୍ତି ମାନବ ସମାଜ ପାଇଁ ଅଭ୍ୟନ୍ତ ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହାପିନେସ ଆଟ ବାର୍କପ୍ଲେସ ରାତ୍ରୀୟ ସେମିନାରରେ କହିଛନ୍ତି କେହି ପେତ୍ରୋଲିଯମ, ପ୍ରାକୃତିକ ର୍ୟାସ, ଦର୍ଶତା ବିକାଶ ଓ ଉଦ୍ୟମିତା ମହା ଧର୍ମେତ୍ର ପ୍ରଧାନ । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ସାରା ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତିର ବାର୍ତ୍ତା ଦେବା ପାଇଁ ଓଡ଼ିଶା ଏକ ଅନନ୍ୟ ଭୂଷଣ । କଳିଙ୍ଗ ଯୁଦ୍ଧର ଘନପଟା ଭିତରେ ଚଣ୍ଡାଶୋକକୁ ଧର୍ମାଶୋକରେ ପରିଣତ କରିବାରେ ଓଡ଼ିଶା ମାଟି ନେଇଥିଲା ଗୁରୁତ୍ବପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା । ସାଂପ୍ରତିକ ସମାଜରେ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ରର ସମ୍ବନ୍ଧ ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତି ଓ ସଦଭାବନା ବାର୍ତ୍ତା ପ୍ରତାରର ପ୍ରତାକ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଓଡ଼ିଶା ମାଟିର ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମାଜ ଓ ରାଷ୍ଟ୍ରର ଶାନ୍ତି ଓ ଖୁସି ପାଇଁ ଗୁରୁତ୍ବପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା ନେବ ବୋଲି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ କାର୍ଯ୍ୟ ଷେତ୍ର ସମେତ ଜୀବନରେ ଶାନ୍ତି ଅଭ୍ୟନ୍ତ କରୁଗା । ସମାଜର ଦୂଦର ପରିସ୍ଥିତି ପାଇଁ ଅନ୍ତିମ-ଘର ସବୁ ଆତେ



ଆନ୍ତିର ବାତାବରଣ ରହିଛି । ଯେତିକି ଅଛି ସେତିକିରେ ସବୁଷ ନ ହେବାରୁ ହଁ ଅସତ୍ୱାକର ବାତାବରଣ ତିଆରି ହେଉଛି । ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିର ମନ ଭିତରେ ଏହି ଦୟା ଲାଗି ରହିଛି । ଗୁରୁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ରର ସମ୍ବନ୍ଧ ଭାବରେ ବର୍ଷକୁ ଶାନ୍ତି ପାଇଁ କୃତ୍ୟାଦ୍ୱାରା ଦୃଷ୍ଟିକୋଣ ଦେଉଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ଯୋଗ ଶିକ୍ଷକ ମାନଙ୍କୁ ଦ୍ଵାରା ସାର୍ଵଦେଶୀୟ ପରିଷକାର ପାଇଁ ସେମାନଙ୍କୁ ସାର୍ଵଦେଶୀୟ ଆବଶ୍ୟକତା ନ ଥିବା ବେଳେ ବର୍ତ୍ତମାନ ସମୟରେ କାମ କରିବାର ଯୋଗ୍ୟତା ସମ୍ବନ୍ଧରେ ପ୍ରମାଣ ପତ୍ର ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇ ପଡ଼ୁଛି । ଏପରି ପରିସ୍ଥିତିରେ ଓଡ଼ିଶାର ଗାଁ ଗାଁରେ ଯୁଦ୍ଧକ ମାନଙ୍କୁ ଆରପିଲା ସାର୍ଵଦେଶୀୟ ଯୋଗାର ଦେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ସମିଲିତ ହେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ ଆହ୍ଵାନ କରିଛନ୍ତି ।

O.- BN/219/13-15

e-mail :



ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୪ ଡିସେମ୍ବର, ୨୦୧୭

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ 'ହାପିମେସ ଆଟ ଶାର୍ଟଫ୍ଲେସ' ରାତ୍ରୀର ସେମିନାର

## 'ଦୂଦର ଉପରକୁ ଉଠି ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାୟ୍ୟ'

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୪୧୭ : ସମାଜରେ ହତ୍ୟାକୁ କ୍ଷେତ୍ର ରହିଥିବା କେବେ ସମାଜରେ ଶାର୍ତ୍ତ ମାନବ ସମାଜ ପାଇଁ ଅବ୍ୟାପ ଆବଶ୍ୟକ ଦେଖି ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହାପିମେସ ଆଟ ବାର୍ଷିକ୍ ପ୍ରାଚୀନ ରାତ୍ରୀ ସେମିନାରେ ବହିଜ୍ଞତି କେତେ ଯେତୋଟିମଣି, ପ୍ରାଚୀନ ରାତ୍ରୀ, ଦର୍ଶନ ବିଜ୍ଞାନ ଓ ଉତ୍ସମିତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରାଧର୍ମେତ୍ର ପ୍ରଧାନ । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ସାରା ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତିର ପାଇଁ ଦେବା ପାଇଁ ଓଡ଼ିଆ ଏକ ଅନନ୍ୟ ହୃଦୟ । କଳିଙ୍ଗ ସୁରକ୍ଷା ଯନ୍ତ୍ରଣା ଭିତରେ ଚାଣ୍ଟାଗୋଟକୁ ଧର୍ମାଶୋକରେ ପରିଣତ କରିବାରେ ଭେଦା ମାତ୍ର ନେଇଥିଲା ଶୁଭ୍ୟତ୍ୱରୁଣ୍ଣ ଦୂମିବା ସାମାଜିକ ସମ୍ପର୍କ ଅଧିକାରି ଶୁଭ୍ୟ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମସ୍ତ ବିଦ୍ୟୁତ୍ ଶାର୍ତ୍ତ ଓ ସବରାବନା ବାର୍ତ୍ତା ପ୍ରଚାର ପ୍ରଚାର ହୋଇଥିବା କେବେ ପଦିଶା ମାଟ୍ଟିର ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମାଜ ଓ ରାଜ୍ୟରେ ଶାନ୍ତି ଓ ଶୁଭ୍ୟ ପାଇଁ ଶୁଭ୍ୟତ୍ୱରୁଣ୍ଣ ଦୂମିବା କେବ ଗୋଟି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ କାର୍ଯ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ର ସମେତ ବାବନରେ ଶାନ୍ତି ଅତ୍ୟନ୍ତ କରୁଗା । ସମାଜର ଦନ୍ତକୁ ପରିଷୁଦ୍ଧ ପାଇଁ ଅର୍ଥିତ୍-ଶର ସବୁ ଆବେ



ଅଶ୍ୱିତ୍ର ରାତ୍ରିବରଣ ରହିଛି । ଯେତେହି ଅଛି ସେହିକିରେ ସବୁଷ ନ ହେବାରୁ ହିଁ ଅସରୋଷର କାତାବରଣ ତିଆରି ହେବାରୁ । ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିର ମନ ଭିତରେ ଏହି ଦତ୍ତ ଭାବି ରହିଛି । ଶୁଭ୍ୟ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମସ୍ତ ରାଜ୍ୟରେ ବାର୍ଷିକ୍ ଶାର୍ଟଫ୍ଲେସ ପାଇଁ ଦୂମିବା ଦୃଷ୍ଟିକୋଣ ଦେଇଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ କାମ କରୁଥିବା ବିଭିନ୍ନ ଶାର୍ଟଫ୍ଲେସ ପାଇଁ ପରିଷୁଦ୍ଧ କରିବା ନେଇ ଦୂମିବା ବା ସାର୍ଟିଫିକେଟ କାମ କରିବା ନେଇ ତିକ୍ରି ବା ସାର୍ଟିଫିକେଟ ହେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ ଆହୁତି କରିଛନ୍ତି ।

# Odisha Higher Education Minister chaired Valedictory session of National Conference “Happiness @ Workplace”

December 15, 2017

224

SHARE

[Facebook](#)

[Twitter](#)



Cuttack: The closing day that was set to conclude the successful two-day National Conference took place at 11am on 15th December' 2017 in the premises of Sri Sri University. This Valedictory session was chaired by Chief Guest, Shri Ananta Das, Hon'ble Minister of Higher Education, Govt. of Odisha and Guest of Honour, Mr. Nitin Chandra, IAS, Principal Secretary, SSEPD, Govt. of Odisha.

National Conference “Happiness @ Workplace” aimed at nurturing the happiness quotient at workplace, discoursing about the ethical issues, determining the best HR practices for the engagement of the employees. This conference not just benefitted the delegates but the society as a whole. It witnessed entrepreneurs, technocrats as well as students from all over the country. It aimed at setting up a foundation for a content society leading to happiness at workplace. The delegates got the opportunity to learn the management practices from the best academicians and gain knowledge from the most experienced industry leaders from all over the country. This national conference was one of its kind as its objective was not only to train and impart management related knowledge to its delegate members but it also helped them get a better and happier vision for life which will directly impact the productivity at workplace. This endeavour proved to be fruitful to the society and mankind at large and has succeeded in conveying the need of the

# ଧରିତ୍ରୀ

DHARITRI

Bhubaneswar, Friday, December 15 / 2017

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ଶୁକ୍ରବାର, ଡିସେମ୍ବର ୧୫ / ୨୦୧୭

## ଡାକ୍ତରଙ୍କ ପାଇଁ ଲୋଡ଼ା ଯୋଗ, ପ୍ରାଣ୍ୟାମ



ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଶୁଭ୍ୟ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ରର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରୁଛନ୍ତି।

କଟକ ଅପ୍ରିସ୍, ୧୪୧୭

ଡାକ୍ତରମାନେ ଶାରୀରିକ, ମାନସିକ, ବୌଦ୍ଧିକ, ଆବେଳିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ସୁଖ ହେବା ଦରକାର। ଅନେକ ସମୟରେ ଦେଖାଯାଏ ରୋଗୀଙ୍କ ଅପରେଶନ ବେଳେ ଯନ୍ତ୍ରପାତି ପର ଭିତରେ ରହିପାଏ । ଏତିନି ଦୂଷି ନ ହେବା ପାଇଁ ଡାକ୍ତରମାନଙ୍କୁ ମାନସିକ ଭାବେ ଛିର, ବକ୍ଷ ଓ ଧୌର୍ଯ୍ୟବାନ ହେବା ଉଚିତ । ଡାକ୍ତରଙ୍କ ପାଇଁ ଯୋଗ, ପ୍ରାଣ୍ୟାମ ଏକାତ ଭାବେ ଲୋଡ଼ା । ଚକ୍ରାରା ଅନ୍ତରକରଣ ସୁଦୃଢ଼ ହେବା ସହ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଭାବ ଜାଗରତ ହୋଇଥାଏ । ଶରୀର ଭପରେ ସମୟର ଶୁଭ୍ୟ ସୁଧାର ପ୍ରଭାବ ରହିଛି । ତେଣୁ ଡାକ୍ତରମାନେ ସୁଖ

ମନ, ବୈଜିକ ଚିକିତ୍ସାର ଓ କୁଶଳୀ ହସ୍ତ ନେଇ କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ ଆଗେଇବା ଉଚିତ । ଏଥିରି ମେଡିକାଲ କଲେଜର ଡାକ୍ତରା ରାତ୍ରାତ୍ରାତ୍ରକୁ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଶୁଭ୍ୟ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ରର ଏହି ପରାମର୍ଶ ଦେଇଥିଲେ । ରେସିଟେଷ୍ଣ ଡକ୍ଟରସ ଆସୋଧିଶନ ପକ୍ଷରୁ ମେଡିକାଲ ପଡ଼ିଆପାରେ ଶୁଭ୍ୟବାର ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଆଲୋଚନାସାର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା । କଲେଜର ଅଧ୍ୟୟେ ପ୍ରଫେସର ଡା. ସିଦ୍ଧାର୍ଥ ଦାସ ଓ ମେଡିକାଲର ଅଧୀକ୍ଷକ ପ୍ରଫେସର ଶ୍ରୀମା କାନ୍ଦୁନ୍ଦରୀ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ । ଆସୋଧିଶନର ସଭାପତିତା. ଜ୍ୟୋତିଷୀଯନାୟକ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତା ଓ ସାଧାରଣ ସମାଦକତା. ନଗେନ୍ଦ୍ର କୁମାର ରାଜାସାମନ୍ତ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ ।

# ଧରିତ୍ରୀ

DHARITRI

Bhubaneswar, Thursday, December 14 / 2017

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ଗୁରୁବାର, ଡିସେମ୍ବର ୧୪ / ୨୦୧୭



ଗୁରୁବାର କଟକଜୁଡ଼େ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ସତସଙ୍ଗ ଉତ୍ସବରେ ଉପସ୍ଥିତ ଛାତ୍ରୀଙ୍କାରୁ ଓ ଶ୍ରଦ୍ଧାକୁ।

# गण्डा राजा

मुख्यमंत्री  
शुक्रवार  
15 दिसम्बर 2017



## दंड से ऊपर उठकर कान कटने की जल्दीत : धर्मेन्द्र प्रधान

■ नवभारत व्यूरो | भुवनेश्वर

जो लोग काम करते हैं उन्हे रोजगार के लिए प्रमाण पत्र दिखाने की ज़रूरत नहीं होती है, लेकिन ऐसे भी कई संस्थाएँ जहां प्रमाण पत्र की ज़रूरत होती है, इसलिए कार्यक्षेत्र में हर किसी को दंड से ऊपर उठकर शान्ति से काम करना चाहिये, गुरुवार को स्थानीय श्री श्री विश्वविद्यालय में योग शिक्षकों को दक्षता प्रमाणपत्र देते हुए केन्द्र पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने यहां कहा है, स्थानीय

श्री श्री विश्वविद्यालय में कार्यस्थली पर शान्ति की विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का का आयोजन किया गया था, इसमें खुद गुरुजी श्री श्री रविशंकर आज विश्व में शांति की कितनी आवश्यकता है व योग के माध्यम से कैसे शान्ति हासिल की जा सकती है उस पर कई बातें कहीं, इसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रधान ने कहा कि शान्ति हर जगह चाहिये, सारे विश्व में शान्ति की वार्ता देने के लिए ओडिशा एक विशेष भूखण्ड है, उन्होंने गुरुजी से मांग की कि

ओडिशा के गांव-गांव में भी बेरोजगार युवाओं को योग पर दक्षता प्रमाणपत्र देने के लिए श्री श्री विश्वविद्यालय की ओर से कोशिश हो.

**रामसेतू नानवकृत है : रविशंकर**

श्री श्री रविशंकर ने कहा है कि रामसेतू मनुष्टकृत है, वह उन्होंने सालों पहले कह चुका है, आज वैज्ञानिक भी सस मान रहे हैं, इससे प्रमाण हो जाता है कि रामसेतू मानवकृत है.

# नवभारत

तदेव पाठकों के लाभ

मुख्य संकाश  
शुक्रवार  
15 दिसंबर 2017



## दूंद से ऊपर उठकर काम करने की जरूरत : धर्मेन्द्र प्रधान

■ नवभारत ब्लूरो। भृवनेश्वर।

जो लोग काम करते हैं उन्हे रोजगार के लिए प्रमाण पत्र दिखाने की जरूरत नहीं होती है, लेकिन ऐसे भी कई संस्था हैं जहां प्रमाण पत्र की जरूरत होती है। इसलिए कार्यक्षेत्र में हर किसी को दूंद से ऊपर उठकर शान्ति से काम करना चाहिये, गुरुवार को स्थानीय श्री श्री विश्वविद्यालय में योग शिक्षकों को दक्षता प्रमाणपत्र देते हुए केन्द्र पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने यहां कहा है, स्थानीय

श्री श्री विश्वविद्यालय में कार्यस्थली पर शान्ति की विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का का आयोजन किया गया था। इसमें खुद गुरुजी श्री श्री रविशंकर आज विश्व में शांति की कितनी आवश्यकता है व योग के माध्यम से कैसे शान्ति हासिल की जा सकती है उस पर कई बातें कही। इसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रधान ने कहा कि शान्ति हर जगह चाहिये, सारे विश्व में शान्ति की वार्ता देने के लिए ओडिशा एक विशेष भूखण्ड है, उन्होंने गुरुजी से मांग की कि

ओडिशा के गांव-गांव में भी बेरोजगार युवाओं को योग पर दक्षता प्रमाणपत्र देने के लिए श्री श्री विश्वविद्यालय की ओर से कोशिश हो।

### रामसेतू नानवकृत है : रविशंकर

श्री श्री रविशंकर ने कहा है कि रामसेतू मनुष्टकृत है, वह उन्होंने सालों पहले कह चुका है, आज वैज्ञानिक भी सस मान रहे हैं, इससे प्रमाण हो जाता है कि रामसेतू मानवकृत है।

Friday 15, December 2017

ଶୁକ୍ରବାର, ୧୫ ଡିସେମ୍ବର, ୨୦୧୭

## ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘ହାପିନେସ ଆଟ ବାର୍କ୍‌ପ୍ଲେସ’ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସେମିନାର ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାୟ୍ୟ - ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର

**ଭୁବନେଶ୍ୱର:** ସମାଜରେ ଦୃଢ଼ାର୍ଥକ ସ୍ଥିତି ରହିଥିବା ବେଳେ ସମାଜରେ ଶାନ୍ତି ମାନବ ସମାଜ ପାଇଁ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହାପିନେସ ଆଟ ବାର୍କ୍‌ପ୍ଲେସ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସେମିନାରରେ କହିଛନ୍ତି କେତେ ପେଟ୍ରୋଲିଯମ, ପ୍ରାକୃତିକ ଗ୍ୟାସ, ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ ଓ ଉଦ୍ୟମିତା ମହା ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ସାରା ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତିର ବାର୍ତ୍ତା ଦେବା ପାଇଁ ଡେଶା ଏକ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ଉତ୍ସବ । କଳିଙ୍ଗ ସୁନ୍ଦର ସନ୍ଦର୍ଭ ଭିତରେ ଚଣ୍ଡାଶୋକକୁ ଧର୍ମାଶୋକରେ ପରିଣତ କରିବାରେ ଓଡ଼ିଶା ମାଟି ନେଇଥିଲା ଶୁଭ୍ରଦୂଷିତ ଦୃଢ଼ାର୍ଥକ ସମାଜରେ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ତର ସମ୍ବନ୍ଧ ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତି ଓ

ସବରାବନା ବାର୍ତ୍ତା ପ୍ରବାରର ପ୍ରତୀକ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଡେଶା ମାଟିର ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମାଜ ଓ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଓ ଖୁସି ପାଇଁ ଶୁଭ୍ରଦୂଷିତ ଦୃଢ଼ାର୍ଥକ ନେବ ବୋଲି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି

ଆଶାନିର ବାଚାବନା ରହିଛି । ଯେଉଁକି ଅଛି ସେତିକିରେ ସହୃଦୟ ନ ହେବାରୁ ହିଁ ଅସତ୍ୟକର ବାଚାବନା ଚିଆରି ହେଉଛି । ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିର ମନ ଭିତରେ ଏହି ଦୂର ଲାଗି ରହିଛି । ଗୁରୁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ଗବିଶକ୍ତର ସମ୍ବନ୍ଧ ଭାରତ ବର୍ଷକୁ

ଶାନ୍ତି ପାଇଁ ନୂଆ ଦୃଷ୍ଟିକୋଣ ଦେଉଛନ୍ତିଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ଯୋଗ ଶିକ୍ଷକ ମାନଙ୍କୁ ଦ୍ଵାରା ସାର୍ଟିଫିକେଟ ପ୍ରବାନ ଅବସରରେ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଦେଶରେ ୧୩୦ ଲୋକି ଜନଭାବୁ ୪୦ ଲୋକି ପ୍ରତ୍ୟେକ କାମ କରି ରୋଜଗାର କରୁଛନ୍ତି । ମାତ୍ର ଏହି ମୋଟ କାମ କରୁଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିରିଶେଷ ଚିତ୍ର ଦଶ ପ୍ରତିଶତ ଲୋକଙ୍କର କାମ କରିବା ନେଇ ଚିଶ୍ରୀ ବା ସାର୍ଟିଫିକେଟ

ଅଛି ଯେଉଁ ମାନେ କାମ କରୁଛନ୍ତି ରୋଜଗାର ପାଇଁ ସେମାନଙ୍କୁ ସାର୍ଟିଫିକେଟର ଆବଶ୍ୟକତା ନ ଥିବା ବେଳେ ବର୍ତ୍ତମାନ ସମୟରେ କାମ କରିବାର ଯୋଗ୍ୟତା ସମ୍ବନ୍ଧରେ ପ୍ରମାଣ ପତ୍ର ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇ ପଡ଼ୁଛି । ଏପରି ପରିମୁଦ୍ରିତ ଡେଶାର ଗୁରୁତ୍ବରେ ସୁନ୍ଦର ମାନଙ୍କୁ ଆରପିଏଲ ସାର୍ଟିଫିକେଟ ଯୋଗାଇ ଦେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟଙ୍କୁ ସମିଲି ହେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ ଆହ୍ଵାନ କରିଛନ୍ତି ।



ସାଧୀନ ଅଭିଯାନର ଶାଖିତ ସମ୍ପଦ

# ନକ୍ଷତ୍ର ଜ୍ୟୋତି

The nakshatra Jyoti

Friday 15, December 2017

ଶୁକ୍ଳବାର, ୧୫ ଡିସେମ୍ବର, ୨୦୧୭

## ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘ହାପିନେସ ଆଟ ବାର୍କ୍‌ପ୍ଲେସ’ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସେମିନାର ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାର୍ୟ - ଧର୍ମେସ୍

ଭୁବନେଶ୍ୱର: ସମୀଜରେ ଦୟାଦୂକ ଦ୍ୱାରା ଉତ୍ସବରେ ଶାନ୍ତି ମାନବ ସମାଜ ପାଇଁ ଅଭ୍ୟନ୍ତରୀନ ଆବଶ୍ୟକ ଦେବାଲି ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହାପିନେସ ଆଟ ବାର୍କ୍‌ପ୍ଲେସ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସେମିନାର ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାର୍ୟ - ଧର୍ମେସ୍

ସଦଭାବନା ବାର୍ତ୍ତା ପ୍ରଚାରର ପ୍ରତୀକ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଓଡ଼ିଶା ମାଟିର ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମାଜ ଓ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଓ ଖୁସି ପାଇଁ ଗୁରୁତ୍ବପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା ନେବ ଦେବାଲି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି

ଆଶାନ୍ତିର ବାଚାବଣା ରହିଛି । ଯେଉଁକି ଅଛି ସେତିକିରେ ସମ୍ବନ୍ଧ ନ ହେବାରୁ ହିଁ ଅସନ୍ତୋଷର ବାଚାବଣା ତିଆରି ହେଉଛି । ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ମନ ଜିତରେ ଏହି ଦୃଷ୍ଟି ଲାଗି ରହିଛି । ଗୁରୁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମସ୍ତ ଭାବରେ ବର୍ଷକୁ

ଶାନ୍ତି ପାଇଁ ନୂଆ ଦୃଷ୍ଟିକୋଣ ଦେଉଛିବାରୁ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ଯୋଗ ଶିକ୍ଷକ ମାନଙ୍କୁ ଦେଇ ସାର୍ଟିଫିକେଟ ପ୍ରଦାନ ଅବସରରେ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ କେବଳେ ୧୩୦ କୋଟି ଜନମାରୁ ୪୦ ଲୋଟି ପ୍ରତ୍ୟେକ କାମ କରି ଗୋକୁଳର କରୁଛନ୍ତି । ମାତ୍ର ଏହି ମୋଟ କାମ କରୁଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିବିଶେଷ ବିତରୁ ଦଶ ପ୍ରତିଶତ ଲୋକଙ୍କର କାମ କରିବା ନେଇ ଦିଗ୍ବ୍ରାବା ସାର୍ଟିଫିକେଟ

ଅଛି ଯେଉଁ ମାନେ କାମ କରୁଛନ୍ତି ଗୋକୁଳ ପାଇଁ ସମାନଙ୍କୁ ସାର୍ଟିଫିକେଟର ଆବଶ୍ୟକତା ନ ଥିବା ବେଳେ ବର୍ଷମାନ ସମୟରେ କାମ କରିବାର ଯୋଗ୍ୟତା ସମ୍ଭବରେ ପ୍ରମାଣା ପଢ଼ୁ ଆବଶ୍ୟକ ହେବା ପଡ଼ୁଛି । ଏପରି ପରିମୁଦ୍ରିତ ଓଡ଼ିଶାର ଗ୍ରୀବାନ୍ ଯୁକ୍ତ ମାନଙ୍କୁ ଆଚାରପିଠାଳ ସାର୍ଟିଫିକେଟ ଯୋଗାଇ ଦେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ସମିଲି ହେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ ଆହ୍ଵାନ କରିଛନ୍ତି ।



ପ୍ରାଣିବିନ୍ଦୁର ମଧ୍ୟରେ କୌଣସି ଆହୁତି ଗାନ୍ଧି ମହାତ୍ମା  
କୁଳକୁ ଶରୀରରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ  
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ



CONFERENCE ON

## LESS @ WORK PLACE

MARCH 2017 | SRI SRI UNIVERSITY

ବିଜ୍ଞାନ, ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟା ଏବଂ କାମକାଳୀକାରୀ ବିଷୟରେ ବିଜ୍ଞାନ ଏବଂ କାମକାଳୀକାରୀ ବିଷୟରେ

# ଲୋକପରିଵାଦିକୁ କାମକାଳୀକାରୀ ବିଷୟରେ ବିଜ୍ଞାନ ଏବଂ କାମକାଳୀକାରୀ ବିଷୟରେ

ଶ୍ରୀ କୃତ୍ୟାନ୍ତିକାନ୍ତିକ ପାଠ୍ୟାବଳୀ, ଶ୍ରୀ ଶକ୍ତିପାଠ୍ୟାବଳୀ, ଶ୍ରୀ ଶକ୍ତିପାଠ୍ୟାବଳୀ

ମୁଦ୍ରଣ ତାରିଖ: ୨୫ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ

ମୁଦ୍ରଣ ତାରିଖ: ୨୫ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ ମୁଁ

। ଉଦ୍‌ବିନ୍ଦୁ ଆଜ୍ଞାଦ ଆରଣ ତେବେଳ ଶକ୍ତି ଲାଗୁ  
କାହିଁ ଆମ । ୧୯୭୭ ଶାଖାଟ ଶକ୍ତି ଲାଗୁଛି ଏବେଳିର  
ଅଭିଭାବକ କୀଟାଙ୍ଗ ଦ୍ୱାରା କାରଣ କାହିଁ  
ତେବେଳ ଭାବରେ ହୋଇଥାଏ କାହିଁ କାହିଁ  
କାହିଁ ହୋଇଥାଏ । କୃଷିକାରୁ ଆଜ୍ଞା ଆଜ୍ଞାର  
କାମରେ କାମ କରିବାରେ ନାହିଁ ଆଜ୍ଞାର  
ତଥା ପରିବାରର କାମରେ ନାହିଁ । କାହିଁ  
କାହିଁ ଆମରିବାରେ ନାହିଁ । କାହିଁ

ମହୋନ୍ଦର ଶକ୍ତିରେ ଆଜ୍ଞାର  
ଭାବରେ କାମ କରିବାରେ ନାହିଁ ।

।

ଭାବରେ କାମ କରିବାରେ ନାହିଁ । କାହିଁ  
କାହିଁ କାମ କରିବାରେ ନାହିଁ । କାହିଁ

କାହିଁ



ପାରିଶ୍ରମ ହାତୁଡ଼ି ଦିଶୁର ସାଥେ ପାରିଶ୍ରମ ହାତୁଡ଼ି  
ପାରିଶ୍ରମ ହାତୁଡ଼ି । ପାରିଶ୍ରମ ହାତୁଡ଼ି  
ପାରିଶ୍ରମ ହାତୁଡ଼ି । ପାରିଶ୍ରମ ହାତୁଡ଼ି ।

# ପାରିଶ୍ରମ

# କୁର୍ଦ୍ଦିତ ପାଇଁ

• ୧୫ ଦିସେମ୍ବର ୨୦୧୭ • ୧୫୦୬

FRIDAY • 15 DECEMBER 2017

# ମହାକାଶର ଆଖି କିମ୍ବା ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି ?

୭୫୯ ଅକ୍ଟୋବର ୨୦୧୭ ମାର୍ଚ୍ଚିନି ଲଙ୍ଘନାର ଦିନ

ପରିବାରର ମଧ୍ୟ ବନ୍ଦିତ ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି କିମ୍ବା ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି ? ଏହାର ପରିବାରର ମଧ୍ୟ ବନ୍ଦିତ ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି କିମ୍ବା ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି ? ଏହାର ପରିବାରର ମଧ୍ୟ ବନ୍ଦିତ ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି କିମ୍ବା ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି ?



ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି କିମ୍ବା ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି ? ଏହାର ପରିବାରର ମଧ୍ୟ ବନ୍ଦିତ ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି କିମ୍ବା ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି ? ଏହାର ପରିବାରର ମଧ୍ୟ ବନ୍ଦିତ ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି କିମ୍ବା ମହାକାଶର ଜଗତର ଆଖି ?

# SRI SRI UNIVERSITY

## PRESS CLIPPING

ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ  
ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ

Dated 15th Dec 2017

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘ବିମ୍ବିତବୁଦ୍ଧର ଆଜି’ ସମ୍ପଦ ଉତ୍ସବରେ

## ‘ଆନନ୍ଦକୁ ଆପଣେଇଲେ ଦୂଃଖ ଦୂର ହେବ’

CONFERENCE ON

IESS @ WORK PLACE

MEMBER 2017 | SRI SRI UNIVERSITY



ବ୍ୟାଙ୍ଗନାଥ ପାତ୍ର କରୁଛାନ୍ତି।  
ଅର୍ପିତା ବିଜୁ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ତାହା  
ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ। ବ୍ୟାଙ୍ଗନା  
ପ୍ରକାଶ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ତାହା ଏକବିଂଶ  
କର୍ମଚାରୀ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ତାହା  
ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ  
ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ

ଏବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।  
କର୍ମଚାରୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଏକବିଂଶ  
କର୍ମଚାରୀ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଏକବିଂଶ  
କର୍ମଚାରୀ।

କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ  
ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ  
ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ  
ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ  
ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।

କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।  
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।  
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।  
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।  
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।

କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।  
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।

କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।  
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।

କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।  
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏକବିଂଶ କର୍ମଚାରୀ।



15<sup>th</sup> December 2017, Friday

୧୫ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭, ଶୁଭବାର

## ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘ହାପିନେସ ଆର୍ ବାର୍କ୍‌ପ୍ଲେସ’ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସେମିନାର ଦୂଦିର ଉପରକୁ ଉଠି ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାୟ୍ୟ: ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର

**କୁବନେଶ୍ୱର : ଏକଟେମ୍ କୃତ୍ୟ**  
ସମାଜରେ ଦୂଦିର ପରିବାର ରହିଥିବା  
ବେଳେ ସମାଜରେ ଶାନ୍ତି ମାନବ ସମାଜ  
ପାଇଁ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ  
ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହାପିନେସ  
ଆଚ ବାର୍କ୍‌ପ୍ଲେସ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ  
ସେମିନାରରେ କହିଛନ୍ତି ଲେଖ  
ପେଟ୍ରୋଲିଯମ, ପ୍ରାକୃତିକ ଗ୍ୟାସ,  
ବକ୍ଷଗୀ ବିକାଶ ଓ ଉତ୍ସମିତା ମଧ୍ୟ  
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି  
ସେ ସାରା ଦେଶରେ ଶାନ୍ତିର ଗର୍ଭ ଦେବ  
ପାଇଁ ଓଡ଼ିଶା ଏକ ଅନ୍ୟ ଭୂଷଣ ।  
କହିଛନ୍ତି ସୁଦର ଘନଯତା ରିତରେ  
ଚନ୍ଦ୍ରଶେଖର ଧର୍ମାଶୋକରେ ପରିଣାତ  
କରିବାରେ ଓଡ଼ିଶା ମାତ୍ର ନେଇଥିଲା  
ସୁଦରପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା । ସାମ୍ରାଜ୍ୟକ  
ସମାଜରେ ଆଧୁନିକ ସୁଧ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ



ରବିଶକ୍ତର ସମୟ ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତି ଓ  
ସବ୍ଦାବନା ବାର୍ତ୍ତା ପ୍ରଚାରର ପ୍ରଚାର  
ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଓଡ଼ିଶା ମାତ୍ରିକ ଶ୍ରୀ  
ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମାଜ ଓ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ  
ଶାନ୍ତି ଓ ସୁଧ ପାଇଁ କୁରୁଦୟର୍ଶନ ଦିଲ

ନେବ ବେଳି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିରାତି । କୁରୁ  
ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ତର ସମୟ ଭାବର ବର୍ଷକୁ  
ଶାନ୍ତି ପାଇଁ ନୁଆ ବୁଝିବାରେ କାମ  
ଦେବଜୀବିନୀ ଦେବଜୀବିନୀ ଦେବଜୀବିନୀ  
ପରିଷରରେ ଯୋଗ ଶିକ୍ଷଣମାନଙ୍କୁ ଦିଲ

ସାର୍ଵତିକେତ ପ୍ରଦାନ ଅବସରରେ ଶ୍ରୀ  
ପ୍ରଧାନ ପହଞ୍ଚିଯେ ଦେଖରେ ୧୩୦  
କୋଟି ଲକ୍ଷତାହୁ ଓ ୪୦ କୋଟି ପ୍ରତ୍ୟେ  
ଜାମ କରି ବୋଜଗାର କରୁଥିବା । ମାତ୍ର  
ଏହି ମୋହ ବାମ କରୁଥିବା ଥେବୁ  
ବିଶେଷ ଜିତ୍ତୁ ୧୦ ପ୍ରତିଶତ ଲୋକଙ୍କର  
କାମ କରିବା ହେଉ ଚିତ୍ରୀ ବା  
ସାର୍ଵତିକେବା ଅଛି । ଯେଇମାନେ ଜାମ  
କରୁଥିବା ଭୋଜଗାର ପାଇଁ ସେମାନଙ୍କୁ  
ସାର୍ଵତିନେହୁ ଆବଶ୍ୟକତା ନ ଥିବା  
ବେଳେ ବର୍ଜମାନ ସମୟରେ କାମ  
କରିବାର ଯୋଗ୍ୟ ସମ୍ବନ୍ଧରେ ପ୍ରମାଣ  
ପଢ଼ୁ ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇପାରୁ । ଏପରି  
ପରିଷିତରେ ଓଡ଼ିଶାର ସୁବିଭାବଙ୍କୁ  
ଆର୍ଥିକ ସାର୍କାରଙ୍କ ଯୋଗାର  
ଦେବା ସହ ଏଥରେ ସମିଲ ହେବା  
ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ ଆହାନ କରିବାକି ।

HERE . NOW

# OriSSa Post



People attend a discourse by spiritual guru Ravi Shankar (inset) at Sri Sri University in Cuttack, Wednesday.

OP PHOTO

# SRI SRI UNIVERSITY PRESS CLIPPING

**ପ୍ରତିବାଦୀ**

ପ୍ରତିବାଦୀ ସମ୍ପଦ ନେତୃତ୍ବ କେନ୍ଦ୍ର ଫେଡରେସ୍ ପାଇଁ  
ପ୍ରତିବାଦୀ ପ୍ରାଚୀର ପାଇଁ

Dated 15th Dec 2017



ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ହାପିନେସ୍ ଆର୍ ଓର୍କପ୍ଲେସ କର୍ମଶାଳାରେ ରବିଶଙ୍କରଙ୍କ ସହ କେନ୍ଦ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ଧର୍ମସ୍ତ୍ର ପ୍ରଧାନ

# ପ୍ରାତିବାଦୀ

www.pragativadi.com

ଓଡ଼ିଆ ଏକମାତ୍ର ଲିରପେଷ ଦୈନିକ

BHUBANESWAR | FRIDAY 15 DECEMBER 2017

ଭୁବନେଶ୍ୱର ଶୁଭବାର, ଡିସେମ୍ବର ୧୫, ୨୦୧୭



ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ହାପିନେସ୍ ଆର୍ ଆର୍କିପ୍ଲେସ କର୍ମଶାଳାରେ ରବିଶକ୍ରଳ ସହ କେତ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ଧର୍ମସ୍ତ୍ର ପ୍ରଧାନ

ଶୁକ୍ରବାର  
ଜିସେମ୍ବର ୧୫, ୨୦୧୭

## କର୍ମଶୈଳେ ଆନନ୍ଦ ସୁସ୍ଥ ଜୀବନ୍ୟାପନର ମୂଳମାତ୍ର

କଟକ, ଡାୟ୍‌୧୯ (ପିଏନ୍ସବ) : ଶିଶୁଟିଏ ବିନା କାରଣରେ ହସେ । କେବଳ ଭୋକ ଲାଗିବା ବା ଆୟାତ ଯୋଗୁଁ କଷ ପାଇଲେ ସେ କାନ୍ଦେ । ହସିବା ମନୁଷ୍ୟର ସହଜାତ ପ୍ରବୃତ୍ତି । କିନ୍ତୁ ଏବେ ଅଧିକାଶ ବ୍ୟକ୍ତି ବିନା କାରଣରେ ଦୃଶ୍ୟା ହେଉଛନ୍ତି । ଶିଶୁଟିଏ ଦିନକୁ ୪୦୦ ଥର ହସିଆଏ । କିନ୍ତୁ

ପରମପୁଜ୍ୟ ଶା ଶା ରବିଶାଙ୍କର ମୁଖ୍ୟ ବକ୍ତା ଭାବେ ଯୋଗଦାନ କରି ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି । ଶା ଶା ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଜାତୀୟ ମାନବ ସଂବଳ ସଂସ୍ଥା, ଭୁବନେଶ୍ୱରର ମିଳିତ ଆନୁକୂଳ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଶୁତି ଜ୍ୟାମୟରେ ଆୟୋଜିତ ଏହି କର୍ମଶାଳାରେ ସମସ୍ତ ଦେଶ ତଥା ବିଦେଶରୁ ଅଧ୍ୟନ କେତ,

ପ୍ରଧାନ ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ । ଶିକ୍ଷା ସହିତ କର୍ମଶୈଳେରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ପାଇଁ ଛାତ୍ରଭାଷାନଙ୍କର ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି ଉପରେ ସେ ମଧ୍ୟ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଥିଲେ । ସନ୍ତିଳନୀରେ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ମହିଳା, ଶିଶୁ ବିକାଶ, ଅଣ୍ଟୁ, ଶୁଦ୍ଧ, ମଧ୍ୟମ ଶିକ୍ଷା ଉଦ୍ୟୋଗ ଓ ଭିନ୍ନକ୍ଷମ ସଂକଳିତରଣ ବିଭାଗ ମହା ପର୍ଯୁଲୁ ସାମଳ ଯୋଗଦେଇ ଉଦ୍ବୋଧନ ଦେଇଥିଲେ । ବିଭାଗୀୟ ଅଭିରିତ ମୁଖ୍ୟ ଶାସନ ସଚିବ ଲକ୍ଷ୍ମୀ ନାରାୟଣ ଗୁପ୍ତ, ଜାତୀୟ ମାନବ ସମ୍ବଲ ସଂସ୍ଥାର ମୁଖ୍ୟ ପାର୍ଥ ସାରଥୀ ମିଶ୍ର, ଅଦାନା ଧାମରା ବନ୍ଦରର ମୁଖ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବହୀ ସୁରତ ବିପାଠ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ ଥିଲେ । ଏହି ଜାତୀୟ ସରାୟ କର୍ମଶାଳାର ଆବାହକ ତିନ ଟଙ୍କ, ପି. ଶାନ୍ତିବିଦ୍ୟାଳୟ ସୁବାରାଓ ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ସାରତ ଭାଷଣ ଓ ଅଭିଥ ପରିଚୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିବା ବେଳେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସଭାପତି ରଜିତା କୁଳକର୍ଣ୍ଣ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ । ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ଡଃ. ନନ୍ଦଲାଲଙ୍କ ସମେତ ଦେଶ ବିଦେଶରୁ ବହୁ କର୍ମୋରେଟ୍ ସଂସ୍ଥାର ସାଧନ କର୍ମମାନେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ ।

## ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଜାତୀୟ କର୍ମଶାଳା

କୌଣସି କୌଣସି ବ୍ୟକ୍ତି ୪୦୦ ଦିନରେ ଥରେ ହସିବା ଦେଖାଯାଏ । କିନ୍ତୁ ଏହି ପ୍ରବୃତ୍ତିରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେବା ଆନନ୍ଦ୍ୟକ । ଯରେ ନିଜେ ହସ ଶୁସିରେ ରହିବା, ଅନ୍ୟକୁ ଶୁସିରେ ରହିବାକୁ ଦେବା, ଘରୁ ବାହାରିବା ଠାରୁ କର୍ମଶୈଳେକୁ ଯିବା ଓ ସେଠାରେ ଆନନ୍ଦର ବାତାବରଣ ସହ ଜାର୍ଯ୍ୟକରି ମନୁଷ୍ୟ ସୁସ୍ଥ ଜୀବନ୍ୟାପନ କରିପାରିବ ବୋଲି ଆଜି ପୂର୍ବାହ୍ନରେ କଟକ ନରାଜ ନିକଟସ୍ଥ ଶା ଶା ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟଠାରେ “କର୍ମଶୈଳେ ଆନନ୍ଦ” ଶାର୍କର ଜାତୀୟ ପ୍ରାରମ୍ଭ କର୍ମଶାଳାରେ ବିଶ୍ୱ ପ୍ରସିଦ୍ଧ ମାନବବାଦୀ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଘରୁ

ବ୍ୟବସାୟ, ପ୍ରଶାସନ, ବିଜ୍ଞାନ ତଥା ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଜଗତରୁ ଶତାଧିକ ଜଣାଶ୍ଵରୀ ବ୍ୟକ୍ତି ଯୋଗଦେଇ ଥିଲେ । କର୍ମଶାଳାରେ ମୁଖ୍ୟ ଅଭିଥ ଭାବେ କେତେ ପେଟ୍ରୋଲ, ପାକୁଡ଼ିକ ବାଷ, ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି ଓ ଉଦ୍ୟୋଗ ବିକାଶ ମହା ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ ଯୋଗଦେଇ ଜହିଲେ ଯେ, ବର୍ତ୍ତମାନ ସମାଜରେ ଶୁସିର ମାତ୍ରା ଧରେ ଧରେ ଜମିବାରେ ଲାଗିଛି । ପରିବାର ହେଉ କି ସମାଜ ହେଉ, କୌଣସି ନା କୌଣସି କାରଣରୁ ପାରମ୍ପରିକ ଦୟା, ମତ ପାର୍ଥକ୍ୟ ଆଦି ଯୋଗୁଁ ସଂପର୍କରେ ତିକ୍ତତା ସୃଷ୍ଟି ହେତୁ ଶୁସି ନଷ୍ଟ ହେଉଛି ବୋଲି ମହା ଶା

# ପ୍ରାତିବାଦୀ

www.pragativadi.com

ଓଡ଼ିଶାର ଏକମାତ୍ର ନିରପେକ୍ଷ ଦେନ୍ତିକ

BHUBANESWAR | FRIDAY 15 DECEMBER 2017

ଭୁବନେଶ୍ୱର ଶୁକ୍ରବାର, ଡିସେମ୍ବର ୧୫, ୨୦୧୭



ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ହାପିନେସ୍ ଆର୍ ଓର୍କପ୍ଲେସ କର୍ମଶାଳାରେ ରବିଶକ୍ରରଙ୍କ ସହ କେତ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ଧର୍ମସ୍ତ୍ର ପ୍ରଧାନ

# SRI SRI UNIVERSITY PRESS CLIPPING

## ପ୍ରଗତିଶାଳା

ପ୍ରଦୀପ ପାତ୍ରାଚାର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରକାଶନ ପରିଦିକ

ପ୍ରଦୀପ ପାତ୍ରାଚାର୍ଯ୍ୟ ୧୯୫୫ ମୁଦ୍ରଣ

Dated 15th Dec 2017

# କର୍ମଶିଳ୍ପରେ ଆମ୍ବଦ ସୁନ୍ଦର ଜୀବନ୍ୟାପନର ମୂଳମୂଳ

କଟକ, ଚାର୍ଦ୍ଦାଶ୍ଵର (ପିଏନ୍ୟେ) :  
ଶିଶୁଟିଏ ବିନା କାରଣରେ ହସେ ।  
କେବଳ ତୋକ ଲାଗିବା ବା ଆୟାତ  
ଯୋଗୁଁ କଷ୍ଟ ପାଇଲେ ସେ କାନ୍ଦେ ।  
ହସିବା ମନୁଷ୍ୟର ସହଜାତ ପ୍ରବୃତ୍ତି ।  
କିନ୍ତୁ ଏବେ ଅଧିକାଶ ବ୍ୟକ୍ତି ବିନା  
କାରଣରେ ଦୁଃଖୀ ହେଉଛନ୍ତି । ଶିଶୁଟିଏ  
ଦିନକୁ ୪୦୦ ଥର ହସିଥାଏ । କିନ୍ତୁ

ପରମପୂଜ୍ୟ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ମୁଖ୍ୟ  
ଭକ୍ତା ଭାବେ ଯୋଗଦାନ କରି ପ୍ରକାଶ  
କରିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ  
ଜାତୀୟ ମାନବ ସଂବଳ ସଂସ୍ଥା,  
ଭୁବନେଶ୍ୱରର ମିଳିତ ଆନୁକୂଳ୍ୟରେ  
ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଶୁତି ଜ୍ୟାମୟସରେ  
ଆୟୋଜିତ ଏହି କର୍ମଶାଳାରେ ସମ୍ମର  
ଦେଶ ତଥା ବିଦେଶରୁ ଅଧ୍ୟନ କ୍ଷେତ୍ର,

ପ୍ରଧାନ ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ । ଶିକ୍ଷା ସହିତ  
କର୍ମଶିଳ୍ପରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ପାଇଁ  
ଭାତ୍ରାତ୍ମାମାନଙ୍କର ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି  
ଉପରେ ସେ ମଧ୍ୟ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଥିଲେ ।  
ସମ୍ମିଳନୀରେ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ  
ମହିଳା, ଶିଶୁ ବିକାଶ, ଅଣ୍ଟୁ, ଶୁଦ୍ଧ,  
ମଧ୍ୟମ ଶିକ୍ଷା ଉଦ୍ୟୋଗ ଓ ଭିନ୍ନମାନ  
ସଂକଳିତରଣ ବିଭାଗ ମହା ପର୍ମଲୁ  
ସାମଳ ଯୋଗଦେଇ ଉଦ୍ବୋଧନ  
ଦେଇଥିଲେ । ବିଭାଗୀୟ ଅତିରିକ୍ତ  
ମୁଖ୍ୟ ଶାସନ ସରିବ ଲକ୍ଷ୍ୟ ନାରାୟଣ  
ଗୁପ୍ତ ଜାତୀୟ ମାନବ ସମ୍ମର ସଂସ୍ଥାର  
ମୁଖ୍ୟ ପାର୍ଥ ସାରଥୀ ମିଶ୍ର. ଅବାନା  
ଧାମରା ବନ୍ଦରର ମୁଖ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବିହା  
ସୁରତ ତ୍ରିପାଠୀ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ  
ଥିଲେ । ଏହି ଜାତୀୟ ପ୍ରାର୍ଥନା  
କର୍ମଶାଳାର ଆବାହକ ଉନ୍ନତ ଉପାଦାନ  
ଶ୍ରାନ୍ତିବାସ ସୁବାରାଓ ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ସାଂଗତ  
ଭାଷଣ ଓ ଅତିଥି ପରିଚୟ ପ୍ରଦାନ  
କରିଥିବା ବେଳେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର  
ସଭାପତି ରଜିତା କୁଳକର୍ଣ୍ଣ ଧନ୍ୟବାଦ  
ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ । ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ  
ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ଉପାଦାନ  
ନନ୍ଦିଲାଲଙ୍କ ସମେତ ଦେଶ ବିଦେଶରୁ  
ବହୁ କର୍ପୋରେଟ୍ ସଂସ୍ଥାର ସାଧନ  
କର୍ମମାନେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ ।

## ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଜାତୀୟ କର୍ମଶାଳା

କୌଣସି କୌଣସି ବ୍ୟକ୍ତି ୪୦୦  
ଦିନରେ ଥର ହସିବା ଦେଖାଯାଏ ।  
କିନ୍ତୁ ଏହି ପ୍ରବୃତ୍ତିରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେବା  
ଆବଶ୍ୟକ । ପରେ ନିଜେ ହସ ଖୁସିରେ  
ରହିବା, ଅନ୍ୟକୁ ଖୁସିରେ ରହିବାକୁ  
ଦେବା, ଘରୁ ବାହାରିବା ୧୦୦  
କର୍ମଶିଳ୍ପକୁ ଯିବା ଓ ସେଠାରେ  
ଆନନ୍ଦର ବାଡ଼ାବରଣ ସହ କାର୍ଯ୍ୟକରି  
ମନୁଷ୍ୟ ସୁନ୍ଦର ଜୀବନ୍ୟାପନ କରିପାରିବ  
ବୋଲି ଆଜି ପୂର୍ବାହ୍ନରେ କଟକ ନରାଜ  
ନିକଟସ୍ଥ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟଠାରେ  
“କର୍ମଶିଳ୍ପରେ ଆନନ୍ଦ” ଶାର୍କକ  
ଜାତୀୟ ପ୍ରାର୍ଥନା କର୍ମଶାଳାରେ ବିଶ୍ୱ  
ପ୍ରସିଦ୍ଧ ମାନବବାଦୀ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁ

ବ୍ୟବସାୟ, ପ୍ରଶାସନ, ବିଜ୍ଞାନ ତଥା  
ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଜଗତରୁ ଶାତାଧିକ ଜଣଶ୍ୱଣା  
ବ୍ୟକ୍ତି ଯୋଗଦେଇ ଥିଲେ ।  
କର୍ମଶାଳାରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ  
କେବୁ ପେଟ୍ରୋଲ, ପ୍ରାକୃତିକ ବାଷ୍ପ,  
ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି ଓ ଉଦ୍ୟୋଗ ବିକାଶ  
ମହା ଧର୍ମକୁ ପ୍ରଧାନ ଯୋଗଦେଇ  
କହିଲେ ଯେ, ବର୍ତମାନ ସମାଜରେ  
ଖୁସିର ମାତ୍ରା ଧିରେ ଧିରେ କମିବାରେ  
ଲାଗିଛି । ପରିବାର ହେଉ କି ସମାଜ  
ହେଉ, କୌଣସି ନା କୌଣସି କାରଣରୁ  
ପାରଷ୍ପରିକ ଦୂର୍ଦ୍ଵାରା, ମତ ପାର୍ଥକ୍ୟ ଆଦି  
ଯୋଗୁଁ ସଂପର୍କରେ ତିତ୍ତତା ସୃଷ୍ଟି ହେତୁ  
ଖୁସି ନଷ୍ଟ ହେଉଛି ବୋଲି ମହା ଶ୍ରୀ

# ପ୍ରାମ୍ରୟ

THE PRAMEYA

• CUTTACK • FRIDAY • 15 DECEMBER 2017

## ‘ଆବାସିକ ଚିକିତ୍ସକ ସଂଘର ବାର୍ଷିକୋସବ

କଳା, ୧୪୨୭(ବୁଲା): ଉତ୍ତରମାନେ ଶାତାଳି, ମାନସିକ ଏବଂ ବୌଦ୍ଧିକ ଦିଗରେ ସ୍ଵର୍ଣ୍ଣପୂର୍ଣ୍ଣରହିବାର ଦରକାର। ଏଥାରୁ ଯୋଗ, ଧ୍ୟାନ, ପ୍ରାଣୀମାନ ଆବଶ୍ୟକ ରହିଛି। ଯୋଗ, ଧ୍ୟାନ ଓ ପ୍ରାଣୀମାନ ଦ୍ୱାରା ମନରେ ସ୍ଥିରତା ଆସିଥାଏ । ମାନସିକପ୍ରତରରେ ପ୍ରିତିତା ଅନିଲେ ଦସ୍ତାବ୍ଜୁ ପାଇଥାଏ ବେଳି ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଶୁଭ ଶ୍ରଦ୍ଧା ରବିଶକ୍ତି କହିରାତି । ଏସମ୍ବିଧ ମେଡିକଲ କଲେଜ ଶେଳ ପଢ଼ିଆଠାରେ ଏସମ୍ବିଧ ଆନ୍ଦୋଳନ କିମ୍ବା ସମ୍ପଦ (ଚେତିତେଷ ଉତ୍ତର ଆସେଇଥିପନ) ର ବର୍ଷିକ ଉତ୍ସବକୁ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଶୁଭ ରବିଶକ୍ତି ଯୋଗ ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରି କହିଲେ, ଡାକ୍ତରା ବୁଦ୍ଧି ଉପରେ ଜନସାହାରଙ୍କର ବହୁଆତ୍ମାର ବିଶ୍ୱାସ ଛାଇବା ଉତ୍ତରକୁ ଉତ୍ସବକୁ ଅଭିଭୂତ କରିବାର କାମ ମଧ୍ୟ ବିଚାର କରେ । ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତି ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ କଥା ଅପେକ୍ଷା ଉତ୍ତରକୁ କଥାକୁ

ଉଚିତ ବେଳି ରବିଶକ୍ତି ପରମାର୍ଥ ଦେଇଛନ୍ତି । ଉତ୍ତରମାନେ ମାନସିକ ଚାପରୁ ମୁକ୍ତ ରହିଲେ ଗୋଗାଙ୍କ ବିଶେଷ ଉପକାର ହୋଇଥାଏ ।

ଦସ୍ତାବ୍ଜୁ ଅଧ୍ୟେତରର ଆସ୍ତରେ ଏହି କର୍ମକ୍ରମରେ ଆବଶ୍ୟକ ଉତ୍ତର ସଂଘର ସହାପତି ଡାକ୍ତର ଜ୍ୟୋତିର୍ମୟ ନାୟକ ସାରତ ଭାଷ୍ଟାନ୍ତର ଉତ୍ସବ



ସାମ୍ରାଜ୍ୟକ ମୁଦ୍ରିତରେ ଚିକିତ୍ସା ବିଜ୍ଞାନର ବିନକୁ ଦିନ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଘୁରୁଛି । ଚିକିତ୍ସା ବିଜ୍ଞାନର ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଉଥିବାରୁ ଉତ୍ତରମାନଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରଙ୍ଗୀ ଓ କର୍ମଶୈଳୀରେ ମଧ୍ୟ ସୁଧାର ଆସିବା ଦରକାର ବେଳି ରବିଶକ୍ତି କହିଛନ୍ତି । ଏସମ୍ବିଧ ମେଡିକଲ କଲେଜ ଅଧ୍ୟେତ୍ର ପ୍ରଫେସର ସିରଥ୍

ଦେଇଥିଲେ । ଉତ୍ତରମାନା ଅଧାକ୍ଷକ ପ୍ରଫେସର ଶ୍ୟାମା କାତୁନଗୋ କର୍ମକ୍ରମରେ ଯୋଗ ଦେଇ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ବିଚାରଧାରା ମଧ୍ୟରେ ରହିଲେ ମାନସିକ ଶକ୍ତି ପ୍ରାସାଦ ହେବା ସହ ଶାନ୍ତିମିଳେ ବେଳି କହିଥିଲେ । ସଂଘର ସମବଳ ଡାକ୍ତର ନଗରତ୍ର ବୁମାର ରାଜସାମାନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ ।

THE PRACTICAL

୭୪

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

A vertical column of large, stylized, dark green letters 'G' and 'H' arranged in a grid pattern, set against a background of light green and pink floral wallpaper.

ଶ୍ରୀମତୀ ପାତ୍ନୀଙ୍କ ମହିଳାମନ୍ଦିର ପାଇଁ ପରିଷକ୍ଷଣ



# ପ୍ରମେୟ

THE PRAMEYA

THURSDAY • 14 DECEMBER 2017

ବୁଦ୍ଧିବାର • ୧୪ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭

## ତିନି ଦିନିଆ ଗପରେ ରବି ଶଙ୍କର

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୩୦୧୭(ବ୍ୟଙ୍ଗ): ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବି ଶଙ୍କର ଜୀ ତିନି ଦିନିଆ ତେଣୁଗପଥରେ ଆସିଛନ୍ତି । ବୁଦ୍ଧବାର ଅପରାହ୍ନ ୧ଶ ୧୦ ମିନିଟ୍‌ରେ ସେ ବିଜୁ ପଞ୍ଚନାୟକ ଆରଜିତିକ ବିମାନବଦରରେ ପହଞ୍ଚି ଥିଲେ । ସେଠାରୁ ତାଙ୍କୁ ଡ୍ରାଇ ପ୍ଲଟ୍ ସୁରକ୍ଷାରେ କଟକରେ ଥିବା ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ନିଆୟାଇଥିଲା । ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ସେଠାରେ ଏକ ସରସଜ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ଆସନ୍ତାକାଳି ସକଳ ୧୦ଜାହାନେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଏକ କର୍ମଚାଲାରେ ଯୋଗ ଦେବେ । ସନ୍ଧ୍ୟାରେ କଟକ ବଡ଼ ମେଡିକାଲ ଯିବେ । ୧୫ବାରିଷ ଅପରାହ୍ନରେ ଏକ କାହାଯୁକ୍ତରାୟ ସମ୍ମିନନ୍ଦାର ଉଦ୍ୟାପନା ଉସବରେ ଯୋଗ ଦେବେ । ପରଦିନ ଫେରିବେ । ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ବହୁ ଶିକ୍ଷାବିର, ବ୍ୟବସାୟିକ ସଂସ୍ଥାର ପ୍ରତିନିଧି ୩ ରାଜନେତାମାନେ ଯୋଗଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି ।



# SRI SAI UNIVERSITY PRESS CLIPPING

## ପ୍ରମେୟ

THE PRAMEYA

Dated 15th Dec 2017

### ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘କର୍ମଷ୍ଟେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ’ କର୍ମଶାଳା ‘ହସିବା ମଣିଷର ସହଜାତ ପ୍ରବୃତ୍ତି’

କଟକ/ନରାତ୍ମକ, ୧୪୧୭(ହୃଦ୍ୟଗୋ): ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ କର୍ମଶାଳା କରଣର ହସିବା ମଣିଷର ସହଜାତ ପ୍ରବୃତ୍ତି ଆନନ୍ଦ ପାଇଲୁ ଯେ କଥେ । ତେଣୁ ହସିବା ହେଉଛି ମଣିଷର ସହଜାତ ପ୍ରବୃତ୍ତି । କିନ୍ତୁ ଅଧିକାରୀ ବ୍ୟକ୍ତି ବିନା କରଣର ହୃଦ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ପାଇଲା । ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଚିନିକୁ ପାଇଲା ଅର ହସିବା ମଣିଷର ସହଜାତ ପ୍ରବୃତ୍ତି । କିନ୍ତୁ କୌଣସି ବ୍ୟକ୍ତି ବିନା ପାଇଲା ଅର ହସିବା କେହି କେବେ ଦେଖିନାଥିବେ । ଏବଳି ମାନସିକତାରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରକାର । ଯାରେ ନିଜେ ଖୁସିରେ ରହିଗା, ଅନ୍ୟଙ୍କ ଖୁସିରେ ପହିବକୁ ଦେବା, ଯାରଠାରୁ କର୍ମଷ୍ଟେତ୍ର ସବୁ ଆନନ୍ଦର ବଚାବରଣରେ କାମ କରି ଜଣେ ମଣିଷ ସୁମ୍ଭୁ ଜାବନ୍ୟାପନ କରିପାରିବ । -ନରାତ୍ମକ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ଆନନ୍ଦ ପାଇଲା ମୁଖ୍ୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଶାର୍ଷକ ଜାତାୟି କର୍ମଶାଳାରେ ଯୋଗ ଦେଇ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଶାର୍ଷକ ଶାର୍ଷକ ପରିବର୍ତ୍ତନ ପାଇଲା । କର୍ମଶାଳାରେ କରିପାରିବ ।



ଯେ, ସାର ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ବାର୍ଷିକ ଦେବା ପାଇଁ ଡିଶିନ୍ ଏକ ଅନନ୍ଦ ଦୂଷଣ୍ଡ । କରିବ ଯୁଦ୍ଧର ଘନଘଟା ମଧ୍ୟରେ ଚରଣେବକୁ ଧର୍ମଶୋକରେ ପରିଣତ କରିବ ପାଇଁ ଡିଶିନ୍ ମାଟି ନେଇଥିଲା ସୁରହୁରୁଷ ଭୂମିକା ସୁହଶ କରିଥିଲା । ସାମ୍ପ୍ରଦୟକ ପରିପୁର୍ବିତିରେ ଶ୍ରାନ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟକ ସମାଜ ଓ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଓ ଖୁସି ପାଇଁ ସୁରହୁରୁଷ ଭୂମିକା ନେବେ ବେଳିମହାଶ୍ରାଦ୍ଧା ପ୍ରଧାନ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ କରିଥିଲେ । ସମୀଳନାରେ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ମହିଳା, ଶ୍ରୀ ବିଜନ୍ ମହାପ୍ରସାଦ ସମାଜ ଯୋଗ ଦେଇ ମାନକତ୍ତ୍ଵ ଦେବନ ରହିବ, ଶାଲାକାରୀ ଭୋଲନ ଶାର୍ଥୁବା ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ୧୦୦୦୦ ଅଧୀକ ଛତ୍ରପତ୍ର ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପରିବେଶକୁ ଶାନ୍ତି, ଅନନ୍ଦ ଓ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ପରିବେଶ ରଖିପାରିବ ବେଳି ପ୍ରକଳନଙ୍କ କରିଥିଲେ । ବିଭାଗୀଯ ଅଭିଭିତ୍ତି ମୁଖ୍ୟ ଶାସନ ସତିବ ଲକ୍ଷ୍ୟ ନାରାଯଣ ସୁମ୍ଭୁ ଯୋଗ ଦେଇ ରାଜ ପରିବେଶ ସର୍ବତ୍ର ଜଣକୁ ଅନନ୍ଦ ଦେଇଥାଏ କରିଥିଲେ । ଏହି ଅଧ୍ୟକ୍ଷର ପରିବେଶ ରଖିପାରିବ ବେଳି ପ୍ରକଳନଙ୍କ କରିଥିଲେ । ଏହି ଅଧ୍ୟକ୍ଷର ପରିବେଶ ସର୍ବତ୍ର ଜଣକୁ ଅନନ୍ଦ ଦେଇଥାଏ କରିଥିଲେ । ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ବୁଲପତି ରାଜ୍ୟ ନରାତ୍ମକ ସମେତ ଦେଖିବାରୁ ବହୁ କପେରେ ସୁମ୍ଭୁର ସଧନ କର୍ମଶାଳାରେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ । ଏହି କର୍ମଶାଳା ଦୂର ଦିନ ଧରି ଆଯୋଜିତ ହେବ ।

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଜାତୀୟ ମାନବ ସମକ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ, ଭୁବନେଶ୍ୱରର ମିଳିତ ଅନୁକୂଳ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଶୁଣି କ୍ଷେତ୍ରରେ ଆଯୋଜିତ ଏହି କର୍ମଶାଳାରେ ଦେଖ ବିଦେଶୀ ବିଦ୍ୟାରେ, ଶିକ୍ଷାକ୍ଷେତ୍ର, ଅଧ୍ୟକ୍ଷରୀ, ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ, ପ୍ରକଳନଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଅଧ୍ୟକ୍ଷର କର୍ମଶାଳାରେ ମୁଖ୍ୟବକ୍ରାନ୍ତ ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇ ବୁଝି ଶ୍ରାନ୍ତ ପରିବର୍ତ୍ତନ ପାଇଲୁ ଯେ, ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ପାଇଲୁ ଯେ କର୍ମଶାଳାରେ ମୁଖ୍ୟ ଅଧିକିତ୍ତ ଭାବେ ଆନନ୍ଦ ଦେଇଥାଏ କରିଥିଲେ । କର୍ମଶାଳାରେ ମୁଖ୍ୟ ଅଧିକିତ୍ତ ଭାବେ ଆନନ୍ଦ ଦେଇଥାଏ କରିଥିଲେ । କର୍ମଶାଳାରେ ମୁଖ୍ୟ ଅଧିକିତ୍ତ ଭାବେ ଆନନ୍ଦ ଦେଇଥାଏ କରିଥିଲେ ।

• 16 DECEMBER 2017

• ୧୭ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭

## ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଆଲୋଚନାଟକୁ ଉତ୍ସପାଦିତ

ନଗର, ୧୫୧୯୭ (ଆପ) : ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଭିତ କର୍ମସେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ ଶାର୍ଷକ ଜୀବାଦ୍ୟ ଆଲୋଚନାଟକୁ ଥାଜି ଉତ୍ସପାଦିତ ହୋଇପାଇଛି । ଉତ୍ସପାଦନା ସବ୍ୟାରେ ଓଡ଼ିଆ ସରକାରଙ୍କ ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷା ମଧ୍ୟ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ମୂଖ୍ୟ ଅତିଥିରୁପେ ତଥା ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷା ସଂଗ୍ରହିତ ବିଭାଗର ପ୍ରମୁଖ ସଚିବ ନିତନ୍ତନ ଚନ୍ଦ୍ର ସହାନ୍ତିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ଏହି ଜୀବାଦ୍ୟ ସମ୍ମିଳନାରେ କିମ୍ବା ସବେଳାନାଟକ ସହ କର୍ମସେତ୍ରରେ ହସ୍ତ ଖୁସିଗେ କର୍ମ କରିଛବି ସେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଆଲୋଚନା କରିପାଇଥିଲା । ସୁଖ୍ମ ଏବଂ ସମ୍ମାନ ସମ୍ମୁଖ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତି କିମ୍ବା ସମସ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟକୁ ସଫଳ ରୂପାଳନ କରିପାରିବ ଏହା ସମ୍ମିଳନାର ମୁଖ୍ୟ ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଥିଲା । କାର୍ଯ୍ୟକୁମରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସଭାପତି ରଜିତ କୁଳକଣ୍ଠ, ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ଡ. ନନ୍ଦଲାଲ କର୍ମଚାରୀ, ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ନରେନ୍ଦ୍ରଲାମ, ଜୀବାଦ୍ୟ ମାନବ ସଂସାଧନ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୁବନେଶ୍ୱର ମୁଖ୍ୟ ପାର୍ଶ୍ଵାଧିକୀୟ ମନ୍ତ୍ରୀ ଏବଂ ପ୍ରବର୍ଷନ ବିଭାଗର ମୁଖ୍ୟ ଡ. ଶ୍ରୀନିବାସ ସୁବରାଣ୍ଡ ଧନ୍ୟବାଦ କୁଳପତି ଡ. ନନ୍ଦଲାଲ ଏହି ଆଲୋଚନାଟକୁ କୃତି ଦିତାଯ ଦିବସ



ଆଲୋଚନାରେ ଅର୍ଟ ଅପ୍ରିଲିଙ୍ଗର ବରିଷ୍ଠ ଶିକ୍ଷକ ବିନୋଦ ମେନନ ପୂର୍ବତନ ଆଇ ଆର ଏଥ ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ଏଥସି ଗୋଧୁରା ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷାଳୀଙ୍କ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଧ୍ୟକ୍ଷକ ପ୍ରଭତ କୁମାର ମହାନିଏବଂ ଆଇଚ୍ୟିର ମୁହଁଳ ରଞ୍ଜନ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ଉତ୍ସପାଦନା ଉତ୍ସବରେ କୁଳପତି ଡ. ନନ୍ଦଲାଲ ଏହି ଆଲୋଚନାଟକୁ କରିଥିଲେ ।

ସଫଳତା ସମ୍ବନ୍ଧରେ ବ୍ୟାଖ୍ୟା କରିଥିଲେ । ପରିଶେଷରେ ପ୍ରବର୍ଷନ ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟ ଡ. ଶ୍ରୀନିବାସ ସୁବରାଣ୍ଡ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକୁମରେ ମୋର ୯୩ ପ୍ରଥକ ଆଲୋଚନା କରିପାଇଥିଲା । ବିଭିନ୍ନ ବିଭାଗର ମୋର ୩୮ ଜଣ ସମାଧାନ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତି ବକ୍ତବ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ ।

• 16 DECEMBER 2017

• ୧୬ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭

## ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଆଲୋଚନାଟକ ଉଦ୍‌ଘାଟିତ

ନିଜାଳ, ୧୫୧୭(ଆପ୍ରୋ): ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ ଶାର୍ଷବ ଜାତୀୟ ଆଲୋଚନାଟକ ଆଜି ଉଦ୍‌ଘାଟିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଉଦ୍‌ଘାଟନା ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଓଡ଼ିଶା ସଂକେତକ ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷାମୂଳା ଅନେକ ଦୟା ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଦୂରେ ଦେଖାଇଯାଇଛନ୍ତି ଏବଂ ପ୍ରମୁଖ ସାହିତ୍ୟକାରୀ ଏବଂ ବ୍ୟାକାରୀ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ଏହି ଜାତୀୟ ସଂକ୍ଷିଳନାରେ କିପରି ସତେନନ୍ଦାର ସହ କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ ହସ୍ତ ଖୁବିରେ କର୍ମ କରିଛେବ ସେ ବିଷୟରେ ଆଲୋଚନା କରାଯାଇଥିଲା। ସୁଖା ଏବଂ ସ୍ଵାଧୀନ ସମ୍ବନ୍ଧରେ କିପରି ସମସ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟକୁ ସଫଳ ବୃପ୍ତାନ କରିପାରିବ ଏହା ସମ୍ବନ୍ଧରେ ମୁଖ୍ୟ ସମ୍ବନ୍ଧ ଥିଲା। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସାହାପତି ରଜିତ କୁଳକର୍ଣ୍ଣ, ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ଡ. ନନ୍ଦଲାଲ କାର୍ମିକ, ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ନରେନ୍ଦ୍ରଲାମ, ଜାତୀୟ ମାନବ ସଂସାଧନ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଭାବରେ ମୁଖ୍ୟ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତତା ମିଶ୍ର ଏବଂ ପ୍ରବନ୍ଧନ ବିଭାଗର ମୁଖ୍ୟ ଡ. ଶ୍ରୀନିବାସ ସୁବ୍ରାତ ଉପମୁଖ ଥିଲେ। ଦ୍ୱାରା ବିବସ



ଆଲୋଚନାରେ ଆର୍ଟ ଅଟ୍ ଲିଭିର ବରଷ ଶିକ୍ଷକ ବିମୋହ ମେନାର ପୂର୍ବତନ ଆଲ ଆର ଏସ ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ଏସ୍ ସି କୌମୁଦୀ ଉଚ୍ଚକ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଧ୍ୟାପକ ପ୍ରଭାତ କୁମାର ମହାନ୍ତିଏବଂ ଆଇଟିର ମୁକୁଳ ରଞ୍ଜିତ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ଉଦ୍‌ଘାଟନା ଉପବର୍ଗେ କୁଳପତି ଡ. ନନ୍ଦଲାଲ ଏହି ଆଲୋଚନାଟକର

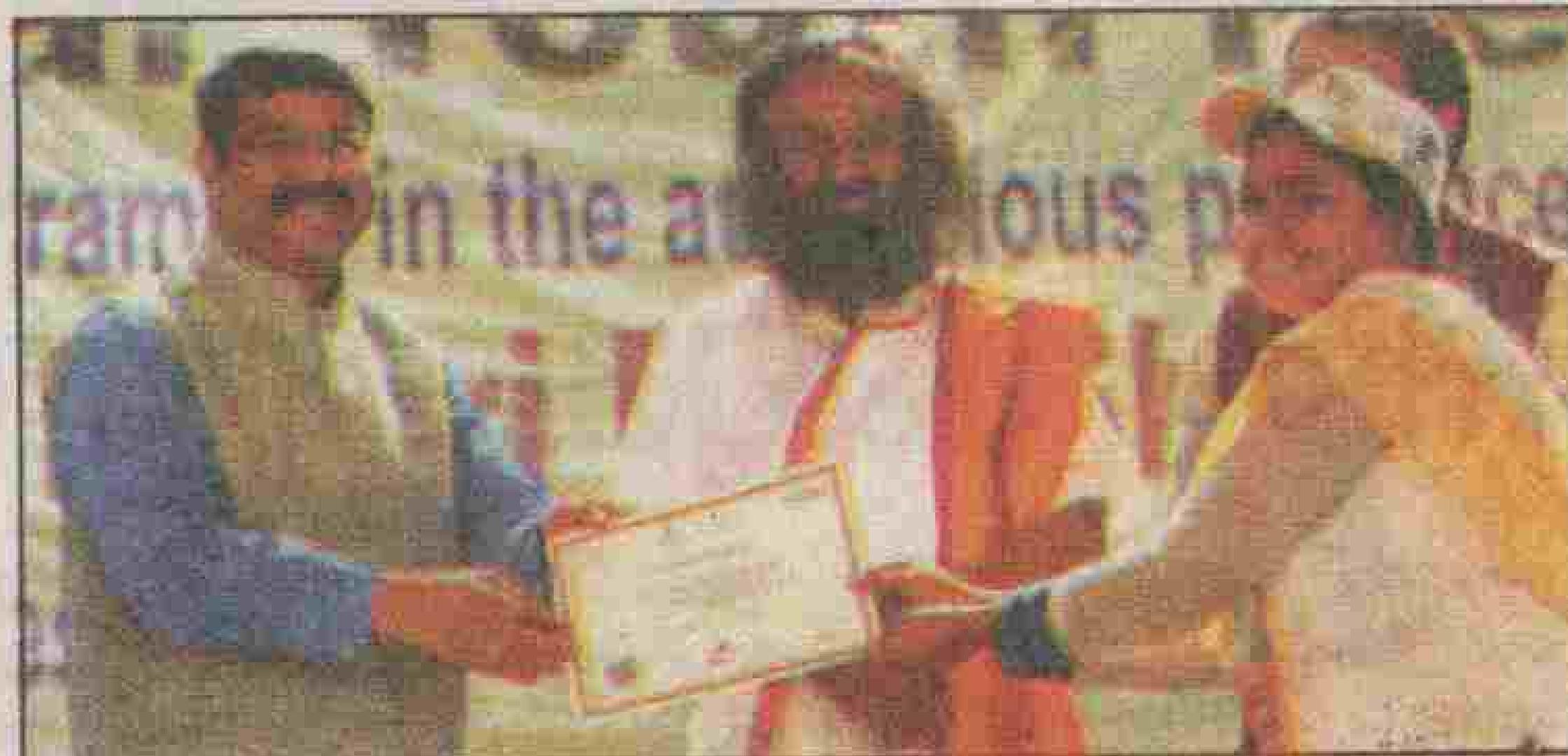
ସଫଳତା ସମ୍ବନ୍ଧରେ ବ୍ୟାଖ୍ୟା କରିଥିଲେ। ପରିଶେଷରେ ପ୍ରବନ୍ଧନ ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟ ଡ. ଶ୍ରୀନିବାସ ସୁବ୍ରାତ ପ୍ରବନ୍ଧନ ଆଲୋଚନା କରାଯାଇଥିଲା। ବିଭିନ୍ନ ବିଭାଗରୁ ମୋର୍ଗା କଣ ସମ୍ବନ୍ଧନ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତି ବନ୍ଦବନ କରିଥିଲେ।



December 15, 2017      Bhubaneswar      ଶୁଭକାର      ୧୫ ଡିସେମ୍ବର, ୨୦୧୭

## ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘ହାପିନେସ ଆଟ ବାର୍କ୍‌ପ୍ଲୋସ’ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସେମିନାର ଦୃଷ୍ଟର ଉପରକୁ ଉଠିଲେ ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାୟ୍ୟ: ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୪/୧୭(ନେପୁ): ସମାଜରେ ଦୃଷ୍ଟର ଉପରକୁ ଉଠିଲେ ରହିଥିବା ବେଳେ ସମାଜରେ ଶାନ୍ତି ମାନବ ସମାଜ ପାଇଁ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହାପିନେସ ଆଟ ବାର୍କ୍‌ପ୍ଲୋସ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସେମିନାରରେ କହିଛନ୍ତି ବେଳୁ ପେଟ୍ରୋଲିଯମ, ପ୍ଲାକ୍ଟିକ ଗ୍ରାସ, ଦଶତା ବିଜାଶ ଓ ଉଦ୍ୟମିତା ମହା ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ସାରା ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତିର ବାର୍ଷା ଦେବା ପାଇଁ ଏହିଶାଖା ଏକ ଅନନ୍ୟ କୁଣ୍ଡଳ । କିମ୍ବା ସୂର୍ଯ୍ୟର ଘନଘାତ କିମ୍ବା ଦଶତାକର ପରିଶର୍ଣ୍ଣ କରିବାରେ ଉଚ୍ଚିଷ୍ଟ ମାତି ନେଇଥିବା ପୁରୁଷପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା । ସାଂପ୍ରଦୀକ ସମାଜରେ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପୁରୁଷଶାଶ୍ଵର ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତି ଓ ସଦାବନ୍ଦୀ ବାର୍ଷା ପ୍ରଚାରର ପ୍ରତିକାଳ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଏହିଶାଖା ମାତିର ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମାଜ ଓ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଓ ମୁଖ୍ୟ ପାଇଁ ପୁରୁଷପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା ନେବ ବୋଲି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ କାର୍ଯ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ର ସମେତ ବୀବନରେ ଶାନ୍ତି ଅତ୍ୟନ୍ତ କରୁରା । ସମାଜର ଦୃଷ୍ଟର ପରିଶର୍ଣ୍ଣ ପାଇଁ ଅନ୍ତିମ-ଘର ସବୁ ଆହେ ଅଶାନ୍ତିର ବାତାବରଣ ରହିଛି । ଯେଉଁକି



ବାଚାରରଣ ତିଆରି ହେଉଛି । ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିର ମନ ଭିତରେ ଏହି ଦୃଷ୍ଟ ଲାଗି ରହିଛି । ଶୁଭୁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମସ୍ତ ଭାରତ ବର୍ଷକୁ ଶାନ୍ତି ପାଇଁ ନୁଆ ଦୃଷ୍ଟିବୋଣ ଦେଇଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିପରାରେ ଯୋଗ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ ଏକଳ ସାର୍ଟିଫିକେଟ ପ୍ରଦାନ ଅବସରରେ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଦେଖରେ ୧୩୦ କୋଟି ଜନତାକୁ ୪୦ କୋଟି ପ୍ରତିକାଳ କାମ କରି ରୋଜଗାର କରୁଛନ୍ତି । ମାତ୍ର ଏହି ମୋଟ କାମ କରୁଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିବିଶେଷ ଭିତର ବର୍ଷ ପରିଶର୍ଣ୍ଣ କୋବକର

କାମ କରିବା ନେଇ ଶ୍ରୀ ବା ସାର୍ଟିଫିକେଟ ଅଛି । ଯେଉଁ ମାନେ କାମ କରୁଛନ୍ତି ରୋଜଗାର ପାଇଁ ସେମାନଙ୍କୁ ସାର୍ଟିଫିକେଟର ଆବଶ୍ୟକତା ନ ଥିବା ବେଳେ ବର୍ତ୍ତମାନ ସମୟରେ କାମ କରିବାର ଯୋଗ୍ୟତା ସମ୍ପର୍କରେ ପ୍ରମାଣ ପତ୍ର ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇ ପଡ଼ୁଛି । ଏପରି ପରିଷ୍କାରରେ ଏହିଶାଖା ଗୋଟିଏ ସୁବକ ମାନଙ୍କୁ ଆବସରକ ସାର୍ଟିଫିକେଟ ସାର୍ଟିଫିକେଟ ଯୋଗାଇ ଦେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ସାମିଲ ହେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ ଆହ୍ଵାନ କରିଛନ୍ତି ।



Cuttack, Thursday 14 December 2017

କଟକ, ବୁଦ୍ଧିବାର ୧୪ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭

## ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ସତସଙ୍ଗ

କଟକ, ୧୩ ଏଣ୍ଟିଆର୍ (କ୍ଷେତ୍ର)- ଅଧାନ୍ତିକ ଗୁରୁ ଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ତର ଚାକର ମୁଲଦିନିଆ  
ଓଡ଼ିଶା ରାଷ୍ଟ୍ର ଅବସରରେ ଆଛି କଟକରେ ଆସି ପହଞ୍ଚିଛନ୍ତି । ସମ୍ପାଦନେ  
ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପହଞ୍ଚି ଅଧାପକମାନଙ୍କ ସହିତ ଆଲୋଚନା  
କରିବା ସହିତ ଅନୁଷ୍ଠାତ ସତସଙ୍ଗ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଯୋଗ ଦେଇ ଆସୁର  
ସୁଖ କିପରି ପ୍ରକୃତ ମାନସିକ ସୁଖ ହୋଇଥାଏ ତାହା ବାଜ୍ୟା କରିଥିଲେ ।  
ଏହି ଅବସରରେ ଆଗାମି ଶିକ୍ଷାବର୍ଷ ପାଇଁ ୭୮ ମୂର୍ଖ ବିଷୟକୁ ଆରମ୍ଭ  
କରାଯାଇଛି । ଏହାବ୍ୟତୀତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସାଂସ୍କୃତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ  
ଓରାଯନର ଖେବସାଇରକୁ ଉତ୍ସାହିତ କରାଯାଇଥିଲା । ଆହାତାକାଲି  
ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ 'କମ୍ପ୍ୟୁଟର୍ ଆନନ୍ଦ' ଶାର୍ଷକ ଏକ ଜାତୀୟ  
ଆଲୋଚନାଚକ୍ର ଅନୁଷ୍ଠାତ ହେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି ।

ଶୁକ୍ରବାର, ଡିସେମ୍ବର ୧୫, ୨୦୧୭

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଆଲୋଚନାଟକ

# ଆନନ୍ଦକୁ ଆପଣାଙ୍କେ ଦୁଃଖ ହଟିଯିବି: ରବିଶଙ୍କର

କଟକ, ୧୪। ୧୨ (କ. ପୁ.) - ଜୀବନଶୈଳୀରେ ବ୍ୟାପକ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଯୋଗୁଁ ଲୋକଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଖୁସି ହଜିଗଲାଣି । କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଚାପଗ୍ରହ୍ୟ ଯୋଗୁଁ ଚିତ୍ତରେ କାଳାଚିପାତ କରୁଛନ୍ତି । ଚାପ ହରାଇବାକୁ ହେଲେ ନିଜେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେବା ବରକାର । ଏଥିଥାଇଁ ପ୍ରଥମେ ନିଜ ପରିବାରରୁ ହଁ ଆନନ୍ଦ ସାହିତ୍ୟବାକୁ ପଡ଼ିବ ବୋଲି ନଗାଜସ୍ତି ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଆଯୋଜିତ ଆଲୋଚନାଟକରେ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଶୁଭ୍ର ରବିଶଙ୍କର ମତବ୍ୟକୁ କରିଛନ୍ତି ।

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଜାତୀୟ ମାନବ ସମଳ ସଂସ୍ଥା ଭୁବନେଶ୍ୱରର ମିଲିତ ଆନୁନ୍ତର୍ଯ୍ୟରେ 'କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ' ଶାସକ ଏକ ଆଲୋଚନାଟକ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଶୁଭ୍ର ହଲରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହୋଇପାଇଛି । ଏଥରେ ମୁଖ୍ୟବତ୍ତା ଭାବେ ଯୋଗଦେଇ ରବିଶଙ୍କର କହିଲେ ଆନନ୍ଦକୁ ଆପଣାଙ୍କେ ଦୁଃଖ ଆପଣାହାଏଁ ହଟିଯିବ । ଶିଶୁମାନେ ଭୋକ ହେଲେ କିମ୍ବା ଆୟାତ ପାଇଲେ କ୍ରଦନ କରିଥାନ୍ତି; କିନ୍ତୁ ଅନ୍ୟ ସମୟରେ ସେମାନଙ୍କ ମୁହଁରେ ଖୁସି ଖେଳୁଥାଏ । ଶିଶୁର ଖୁସିରେ ଛଳନା ନ ଥାଏ । ହସିବା ହେଉଛି ମଣିଷର ସହଜାତ



ପ୍ରବୃତ୍ତି । ଅଧିକାଂଶ ବ୍ୟକ୍ତି ବିନା କାରଣରେ ଦୁଃଖ ହେଉଛନ୍ତି । ଗୋଟିଏ ଶିଶୁ ଦିନରେ ଚାରିଶହ ଥର ହସବ୍ୟକୁ କରିଥାଏ; କିନ୍ତୁ ଆମେ ଚାରିଶହ ଦିନରେ ଥରେ ଖୋଲାମାନରେ ହସିବା ସମ୍ଭବ ହେଉନ୍ତେ । ଯାହା ଆମକୁ ଦୁଃଖ ଦେଉଛି । ନିଜେ ଆନନ୍ଦରେ ରହିବା ସହିତ ଅନ୍ୟକୁ ଆନନ୍ଦ ଦେବା ଏବଂ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଖୁସିର ସହିତ କାର୍ଯ୍ୟ କରିପାରିଲେ ହଁ ମନୁଷ୍ୟ ସୁମୁଖୀନୀୟମାନୀୟ କରିପାରିବ ବୋଲି ସେ ମତବ୍ୟକୁ କରିଥିଲେ ।

ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ କେହି ଯେତ୍ରାଲିଯମ ତଥା ପ୍ରାକୃତିକ ବାଷ୍ପ

ମହା ଧର୍ମେହୁ ପ୍ରଧାନ କହିଲେ ଓଡ଼ିଶା ହେଉଛି ସେହି ମାଟି ଯେଉଁଠାରେ ଶାକିଶ୍ଵାପନ ହୋଇଥିଲା । ସମ୍ବାଦ ଅଶୋକ ଏହିଠାରେ ଚଞ୍ଚାଶୋକରୁ ଧର୍ମଶୋକରେ ପରିଷତ ହୋଇଥିଲେ । ଶିକ୍ଷା କୌଣସି ବୁଝିରେ ବାଧା ସୁଢ଼ି କରେନି । ଜଣେ ଶିକ୍ଷିତ ଓ ଦକ୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତି ନିୟୁକ୍ତ ନ ଶାକି ନିୟୁକ୍ତ ସୁଢ଼ି କରିଥାଏ । ବର୍ତ୍ତମାନ ସମାଜରେ ଖୁସିର ମାତ୍ରା ଧରେ ଧରେ କମିରାରେ ଲାଗିଛି । ବିଶେଷକରି ସ୍ଵରବର୍ଗଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଏହା ଅଧିକ ଦେଖାଯାଉଛି । କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ପାଇଁ ଦକ୍ଷତା ବୁଦ୍ଧିକୁ ମଧ୍ୟ ଗୁରୁର ଦେବା

ଦରକାର ବୋଲି ସେ କହିଥିଲେ । ମହିଳା ଓ ଶିଶୁ ବିକାଶ ତଥା ଭିନ୍ନକ୍ଷମ ସର୍ବଜ୍ଞାକରଣ ମହା ପ୍ରଦୂର୍ବ୍ୟ ସାମାଜିକ କହିଲେ ଏହି ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକତାକୁ ପାଥେୟ କରି ଶିକ୍ଷାଦାନ କରୁଛି । ଶତଧିକ ଛାତ୍ରାତ୍ମୀୟ ନିର୍ବାହୀ ଉପରେ ଆର. ସିତାରମଣ ଆନନ୍ଦରେ କରିଲି ମଣିଷ ରହିପାରିବ ସେ ସମର୍କରେ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଥିଲେ । ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସରକାର ରଜିଟ୍ରେ କୁଳକର୍ତ୍ତା, ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ବାଣିଜ୍ୟ ଓ ପ୍ରବନ୍ଧନ ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟ ଉ. ଶ୍ରାନ୍ତିବାସ ସୁବାରାତ୍ର ଏବଂ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ କୁଳପତ୍ର ଉ. ନନ୍ଦଲାଲ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ ବିଭବ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ ।

# SRI SRI UNIVERSITY PRESS CLIPPING



Dated 15th Dec 2017

শ্রীশ্রী বিশ্ববিদ্যালয়ের আলোচনাচক্র

## আনন্দকুআপশাইলে দৃঃঙ্গ হচ্ছিবঃ রবিশঙ্কা

কঠক, ১৪। ১। ১। ৭(ক. প.) -  
কাব্লজীলারে দ্বাপর পরিবর্তন  
যোগ্য কোকো মখরে শুধি  
হচ্ছিলাণি। কার্যস্থোত্রে বাপুজ্ঞ  
যোগ্য চিন্তারে কালিপ্রতি জপ্তুতা।  
চাপ হচ্ছিলাকু হেলে নিজে  
পরিবর্তন হেবা দেবকাৰ। অধ্যাত্ম  
মুগ্ধমে নিজ পরিবারকু হ' আনন্দ  
এবং দুর্বিল পরিব বোকি নিজেত্বুত  
শ্রী শ্রী বিশ্ববিদ্যালয়ের আয়োজিত  
আলোচনাচক্রে অধ্যাত্মিক গুৱ  
চৰিষ্ঠাকাৰ মোহুকু কৰিছু।

শ্রী শ্রী বিশ্ববিদ্যালয় ও কাচায  
মানব মমক যাপ্তা দুর্বেলখুরে  
মিলিত আহুত্যাক্ষেত্রে 'কনিষ্ঠেত্বের  
শাস্তি' শাস্তি এব আলোচনাচক্র  
বিশ্ববিদ্যালয়ে শুভ হচ্ছে অনুষ্ঠিত  
হচ্ছে আজী। এথের মুখ্যবক্তা  
ভাবে যোগাদান দেবিশঙ্কা  
নিজে আনন্দকু আপশাইলে  
প্রকাশ কৰিবার মুক্তি প্রদান কৰিব।  
শিশুমানে  
রোক হেবে কৰিয়া আপ্ত পাইলে  
কুটুম্ব কৰিষ্ঠাক্ষেত্রে নিজীত্বে  
যেমানুকু মুক্তি কৰিব।



গুৰুত্ব। অধ্যকাশ ব্যক্তি চিনা  
কৈলারে দৃঃঙ্গ হেবেছু। গোচৰি  
শীঘ্ৰ দিনগৈ চারিশহ প্রথ হথাখ্যকু  
কৰিথাব। কিন্তু আমে চারিশহ  
দিনগৈ প্রথ খোলমানগৈ হথিবা  
সম্ভব হেবেনে। যাহা আমকু দৃঃঙ্গ  
দেবেছু। নিজে আনন্দকু দেবিশঙ্কা  
ব্যক্তি অন্যতু আনন্দ দেবকা এবং  
কায়েকেতুরে শুধি প্রতি কাৰ্য  
কৰিপাবিকে হ' মনুষ্য শুধি  
জাহনযাহন কৰিপাবিকে দেবিশঙ্কা  
ব্যক্তি হ' শুধি কৰিপাবিকে দেবিশঙ্কা।

মুক্তি অৰ্থু ভাবে কোকো

মুক্তি ধৰ্মেত্ব প্ৰাপ্তি কৰিলৈ দেবিশঙ্কা  
হেবেছু পেছি মাটি যেজ্জোৱে  
শান্তিশুণ হোকথুগা। যমাচ  
অশেক এহিঠাতে চাপাযোকৰু  
ধৰ্মাশেলে প্রিণ্ঠ হোকথুকে।  
শিশু কৌণ্ডী কৰিতে বাধা মৃত্যি  
কৰেনি। জগন্ম শীক্ষণ ও দেব বাকি  
নীযুক্ত ন দেখা কৰি নীযুক্ত  
বৃত্তি ন দেখা কৰি নীযুক্ত বৃত্তি  
কৰিথাব। বৰ্ষমাজ দমাগৈ শুধি  
শান্তিশুণ কৰিবা দেবকা দেবিশঙ্কা  
ব্যক্তি হ' শুধি কৰিপাবিকে দেবিশঙ্কা।

কৈকৈ বোকি যে নহিয়েনে।  
মহিলা ও শিশু বিশ্বাশ চথা উন্মুক্ত  
বৰ্ষমাজ দমাজ মুক্তি বাপাক  
কৈকৈকে এই শীঘ্ৰ দ্বিতীয় কৰিথুলৈ।  
গোৱা মোকাত মুক্তি কাৰ্য নীৰ্বাহী  
জ্ঞ আৰি, পিতৃত্বমুণ্ড আনন্দকে  
জিতিনি মৃত্যু কৰিপাবিকে যে  
বৰ্ষকৰে পোষণ দেবেছু।  
বিশ্ববিদ্যালয়ে বৰ্ষাপতি জৰিতা  
কুকুরী, বিশ্ববিদ্যালয় নীৰ্বাহী ও  
প্ৰশংসন বিভাগ মুক্তি ত. শুক্রিয়া  
বৰ্ষাপতি এবং বিশ্ববিদ্যালয়  
কুকুরী ত. নীলকণ্ঠ পুষ্পা  
যোগাদান বৰ্ষাপতি পুষ্পা  
কৰিথুলৈ।

এই পুষ্পোগ কেবা পুরি পৰ্বতু  
শুধি পৰিবেশ পূজাৰ পাই আহুক  
দেবেছুকে। এই আৰবৰে  
জাতীয় মানব পৰ্যাপ্ত পুষ্পা ও ফুলৰ  
মুক্তি পার্থ বারথ মীনু কৈকৈলৈ  
কোকৈ শুধি পৰিবা পাই নানা  
কাৰ্য দ্বিতীয় কৰিথুলৈ। বামাজিক  
মৃত্যুমুণ্ড পত্ৰপোগ কৈকৈ  
সমাজে আনন্দ পৰিষ্কৃত হেব।  
সৰাজনাম অৰ্থু ভাবে অদ্বানা  
ধৰ্মা বৰ্ষকৰে মুক্তি কাৰ্য নীৰ্বাহী  
অধ্যকাশ পুত্ৰ ত্ৰিয়াৰ বিপৰে  
অন্যকু বাপামুণ্ড কৰিপাবিকে পুত্ৰৰ  
আনন্দ মিলিপাবিকে বোকি কৰিথুলৈ।  
গোৱা মোকাত মুক্তি কাৰ্য নীৰ্বাহী  
জ্ঞ আৰি, পিতৃত্বমুণ্ড আনন্দকে  
জিতিনি মৃত্যু কৰিপাবিকে যে  
বৰ্ষকৰে পোষণ দেবেছু।  
বিশ্ববিদ্যালয়ে বৰ্ষাপতি জৰিতা  
কুকুরী, বিশ্ববিদ্যালয় নীৰ্বাহী ও  
প্ৰশংসন বিভাগ মুক্তি ত. শুক্রিয়া  
বৰ্ষাপতি এবং বিশ্ববিদ্যালয়  
কুকুরী ত. নীলকণ্ঠ পুষ্পা  
যোগাদান বৰ্ষাপতি পুষ্পা  
কৰিথুলৈ।

# ଶ୍ରୀମାଜୀ

The Samaja

ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା-ଉତ୍କଳମଣି ମୋପଦ୍ଧର୍ମପ୍ରସ୍ତୁତି

Cuttack, Friday 15 December 2017

କଟକ, ଶୁକ୍ରବାର ୧୫ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭

## ଆବାସିକ ଚିକିତ୍ସକ ସଂଘର ବାର୍ଷିକ ସଭା ପ୍ରାଣୀଯମାନୀର ମନ ଶକ୍ତିହୃଦେଖିର



କଟକ, ୧୪୦୭(ଆ.ପ୍ର) : ବଲିଷ୍ଠ ମନଚିଏ ଗୋଟିଏ ଦୁର୍ବଳ ଶରୀରକୁ ଧାରଣ କରିପାରେ ଓ ସଫଳ ହୋଇପାରେ । ଏକ ଦୁର୍ବଳ ମନ ବଲିଷ୍ଠ ଶରୀରକୁ ଧାରଣ କରିପାରେନା ଓ ସଫଳତାର ମଧ୍ୟ ବାଧକ ସାର୍ଜିଥାଏ । ମନକୁ ଶକ୍ତିଶାଳୀ କରିବାକୁ ହେଲେ ଯୋଗ, ଧ୍ୟାନ ଓ ପ୍ରାଣୀଯମର ଅଭ୍ୟାସ ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଆବାସିକ ଚିକିତ୍ସକ ସଂଘ(ରେସିଡେଣ୍ଟ ଉକ୍ତରସ ଆସୋସିଏସନ)ର ବାର୍ଷିକ ସଭାକୁ ସମ୍ମେଧ୍ୟ କରି ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁ ପଦ୍ମ ବିଭୂଷଣ ରବିଶଳର ମତବ୍ୟରେ କରିଛନ୍ତି ।

ଶ୍ରୀରାମଚନ୍ଦ୍ର ଭଞ୍ଜ କଲେଜ ଓ ହାସପାତାଳ ଖେଳପଡ଼ିଆଠାରେ ଗୁରୁବାର ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଅନୁଷ୍ଠାତ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ରବିଶଳର କହିଲେ ଯେ ତାତ୍କାଳି ବୁଦ୍ଧିରେ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ଆୟ୍ଵା ଓ ବିଦ୍ୟାଏ ଅଧିକ । ତାତ୍କାଳି ଜିଷ୍ଠରଙ୍କ ଅବତାର ବୋଲି ସମାଜ ବିଚାର କରେ । କୌଣସି ବି ମନୁଷ୍ୟ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ କଥା ଅପେକ୍ଷା ତାତ୍କାଳି ଜଥାକୁ ବେଶି ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଥାଏ । ଏସବୁ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ତାତ୍କାଳି ଦାୟୀର ଯଥେଷ୍ଟ ଅଧିକ । କ୍ରମାଗତ ଯୋଗାଭ୍ୟାସ ହାରା ମନ୍ତ୍ରିଷ୍ଠ କୋଷଗୁଡ଼ିକର ବିକାଶ ଘଟିବା ସହ ମାନସିକ ଚାପ ହ୍ରାସ

ପାରଥବାରୁ ତାତ୍କାଳିମାନେ ଏହା ଅଭ୍ୟାସ କରିବା ଜରୁରୀ । ସେମାନେ ମାନସିକ ଚାପରୁ ମୁଢି ହେଲେ ରୋଗୀଙ୍କ ବିଶେଷ ଉପକାର ହୋଇଥାଏ । ରୋଗୀଙ୍କୁ କିରଳି ବୁଝିବେ, ତା'ର ଯଦ୍ର ନେବେ ଓ ତା'ର ରୋଗ ନିରାକରଣ କିରଳି କରିବେ ତାହାର ଅନୁଶୀଳନ କରିବା ତାଙ୍କ ପକ୍ଷେ ସହଜ ହୋଇପାରେ । ଚିକିତ୍ସା ବ୍ୟବସ୍ଥା ଦିନକୁ ଦିନ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଉଥବାରୁ ତାତ୍କାଳମଙ୍ଗ ଦୃଷ୍ଟିଭଙ୍ଗୀ ଓ ମନ ଖୋଲା ରହିବା ଦରକାର ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି । ସଂଘର ସଭାପତି ଡା. କ୍ଷେତ୍ରିମୟ ନାୟକ ସାଗର ଭାଷଣ ଦେଇଥିଲେ । ଶ୍ରୀରାମଚନ୍ଦ୍ର ଭଞ୍ଜ କଲେଜ ଓ ହାସପାତାଳର ଡିନ୍ ତଥା ଅଧିକ ପ୍ରଫେସର ଡା. ହିରାର୍ଥ ଦାସ ଏଥରେ ପୌଗୋହିତ୍ୟ କରିଥିଲେ । ଶ୍ରୀରାମଚନ୍ଦ୍ର ଭଞ୍ଜ କଲେଜ ଓ ହାସପାତାଳର ଅଧ୍ୟକ୍ଷକ ପ୍ରଫେସର ଡା. ଶ୍ୟାମା କାନ୍ତୁନାରୋ ଉଦବୋଧନ ଦେଇ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ବିଚାରଧାରାକୁ ପ୍ରୟୋଗରେ ଆଣିଲେ ସେଥିରୁ ମାନସିକ ଶକ୍ତି ପ୍ରାସ୍ତୁତ ହେବା ସହ ଶାନ୍ତି ମିଳେ ବୋଲି କହିଥିଲେ । ସଂଘର ସମାଦଳ ଡା. ନାରେନ୍ଦ୍ର କୁମାର ରାଜାସାମନ୍ତ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ ।

समय

SAMAYA

# विज्ञान

१४ डिसेम्बर २०१७, शुक्रवार

15 December 2017, Friday

## एसवीबी डाक्ट्ररमानले श्रीश्री रविशंकरजी परामर्श रोगी ओ संकर्त्याङ्क एह मध्ये ओ हेयपूर्ण कथा हेवा आवश्यक

कचक,(ए.कृष्ण): यसात्रे डाक्टरले दितीय उत्तराधिकार बोली नहुन्ति। तेहु येमानकर कथाकू बेद बाबा राजी रोगी बिश्वास करन्ति। तेबो रोगी एवं रोगी एम्बर्ट्याङ्क एह डाक्टरमाने मध्ये ओ योर्यपूर्ण कथा हेवा आवश्यक बोली एसवीबी मेडिकलर रेसिडेंट डाक्टर आसोसिएसनर बार्षिक उत्तराधिकार आधारिक गूरु श्रीश्री रविशंकर जी योग देल मठरात्रि करिन्ति। ये आहुरि कहिथ्यले येवा, जणे मणिक मध्ये गाठ गूरु रहिन्ति। ये आवश्यक पूले देखानिक, डाक्टर एवं दार्शनिक होउपारे। येहिपरि कोशिश ब्यक्ति डाक्टर होउपारिवे नाही। डाक्टर हेवा पाँच डाक्टर बिद्या एह डाक्टरी सार्टिफिकेचर आवश्यक ता रहिन्ति। डाक्टरमाने किंवा एवं रोगी येबा उपरे खान देबा



आवश्यक। येहि परि डाक्टरलाईमाने खोला मनरे पाठपतारे खानदेबा उचिता डाक्टरी पाठ केबो एरे नाही। डाक्टरमाने यदायेके उचित अध्ययन उथा गवेशणारे मनोनिवेश करिबा उचित बेली येकहिथ्यले।

एहि कार्यकृतीमरे अन्यमानक मध्ये एसवीबी अध्यक्ष प्रगेष्ठर डाक्टर विकार्थ दास, अध्यक्षक प्रगेष्ठर डा. शायामा कानूनगो मञ्चासाठी थले। एहि अवसरे गूरुकूङ आवासिक डाक्टर एवं उपरानु एक प्रभु कगडाथकर

प्रतिकृति प्रदान करायाइथला। रेसिडेंट डाक्टर आसोसिएसन यापति डा. जेयार्टमया नायक अतिथि परिचय प्रदान करिथ्या बेले याधारिश यादव डा. नंगेहुकुमार राजायामत धन्यवाद अर्पण करिथ्यले।

# SRI SRI UNIVERSITY PRESS CLIPPING

සමය

The Samaya

Dated 15th Dec 2017

## ‘හාපිනේස් ආං බාක්පූස්’ ආලොචනා කු පරිඛාර මැයියෝගුරු ගාන් පරිහාය්‍ය : ඩීඩු

**බුද්ධීත්‍යාලු, (පුද්.) :**  
අනාගැනීදා ද්‍රව්‍ය පූජා පෙනුවේ  
භාව්‍ය තාක්ෂණී නිව්‍ය පූජා  
වැනි ආංශ ප්‍රතිඵලිත පූජා  
ප්‍රතිඵලිත තාපිනේස් ආං  
නැංවුයු සාක්ෂාත් අනුශාසනයේ  
ක්‍රිජ්‍ය වෙත යොමු ඇති,  
ප්‍රාග්‍රෑන් පූජා, රුළු ටිබාන  
ස්ථානු තාක්ෂණී පූජා පූජා  
ප්‍රතිඵලිත පූජා වැනි තාක්ෂණී  
වැනි පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා  
වැනි පූජා පූජා පූජා පූජා  
වැනි පූජා පූජා පූජා පූජා



### උපාලොකු අධ්‍යාපන ශ්‍රී ත්‍රි මාලි පාලි පූජා පූජා පූජා පූජා

උපාලොකු අධ්‍යාපන ශ්‍රී ත්‍රි මාලි පූජා පූජා පූජා  
පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා

උපාලොකු අධ්‍යාපන ශ්‍රී ත්‍රි මාලි පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා  
පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා

උපාලොකු අධ්‍යාපන ශ්‍රී ත්‍රි මාලි පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා  
පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා

උපාලොකු අධ්‍යාපන ශ්‍රී ත්‍රි මාලි පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා  
පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා

උපාලොකු අධ්‍යාපන ශ්‍රී ත්‍රි මාලි පූජා පූජා පූජා පූජා  
පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා  
පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා පූජා

SAMBAD

# ଶୁଣି

୧୫ ଡିସେମ୍ବର, ୨୦୧୭

Friday 15 December 2017



ଏପର୍ବତୀ ମେତିକାଳ କଲେବ ପରିସରରେ ଆଗ୍ରହିତ କୋଷ୍ଟକପାଇଁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରତ୍ନକାଳଜୀଙ୍କ ଉଦ୍‌ଘୋଷନ

କଲେବ ମେତିକାଳ ପରିସରରେ

ମୋହନୀ

SAMBAD

# ଅମ୍ବାଜ

ଗୁରୁବାର ୧୪ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭

୨୯ ପୃଷ୍ଠା, ମୂଲ୍ୟ ୫ ଟଙ୍କା

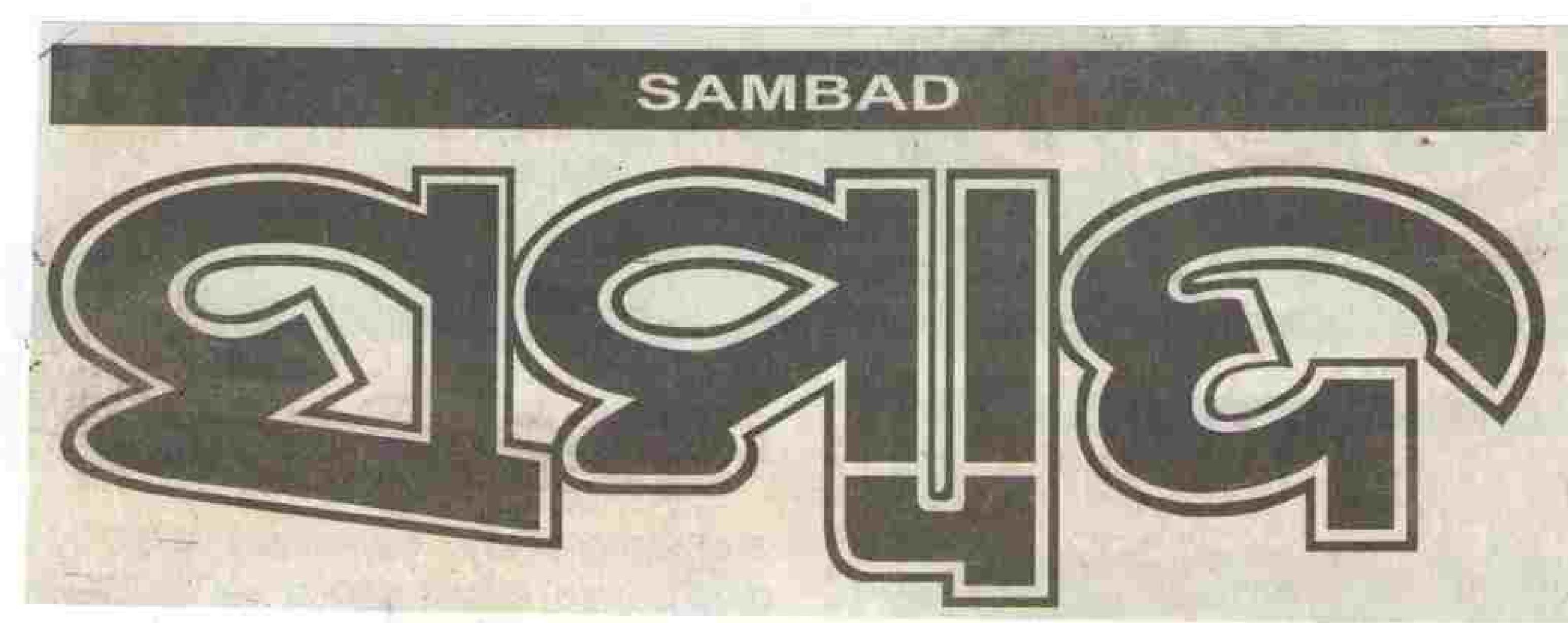
Bhubaneswar

Thursday 14 December 2017



ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ତାରଙ୍ଗୁ ଭୁବନେଶ୍ୱର ବିମାନବନ୍ଦରରେ ବିପୁଳ ସମ୍ମର୍ଶନା

SAMBAD



CUTTACK

Thursday 14 December 2017

ଗୁରୁବାର ୧୪ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘ମହାସତ୍ସଙ୍ଗ’

ଆତ୍ମିକ ସୁଖ ମାନସିକ ସୁଖଠୁରୁଷପୂର୍ଣ୍ଣ: ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର

କଟକ, ୧୩୦୧୭ (ଇମେଲ): ଆତ୍ମିକ ସୁଖ ମାନସିକ ସୁଖଠାରୁ ଗୁରୁବପୂର୍ଣ୍ଣ। ମଣିଷର ଆତ୍ମା ସିଧାସଳଖ ଉଚ୍ଚବାନଙ୍କ ସହ ଯୋଡ଼ି ହୋଇଥାଏବା ମନର ସୁଖକୁ ଭୁଷେପ ନକରି ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ବେଚନା ଓ ଅଭ୍ୟାସ ଦ୍ୱାରା ମଣିଷ ଶୁଣିଲିବ ହୋଇପାରିବ ବୋଲି ପୂଜ୍ୟ ଗୁରୁବେବ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ଜହିଛନ୍ତି। ଆଜି ସଂଧ୍ୟାରେ ନରାଜସ୍ତି ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ଆୟୋଜିତ ‘ମହାସତ୍ସଙ୍ଗ’ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଉଦ୍ବୋଧନ ଦେଇ ଗୁରୁବେବ କହିଲେ, ଗୋଟିଏ ଆଲୋକବର୍ତ୍ତିକା ଅନେକ ଅନ୍ତକାଳକୁ ଦୂର କରିଥାଏ। ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକତା ସାଧାରଣ ମଣିଷଙ୍କ ଉଚ୍ଚକାଳ ଆଲୋକବର୍ତ୍ତିକାରେ ପରିଣତ କରିଥାଏ ବୋଲି ପୂଜ୍ୟ ଗୁରୁବେବ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ଉପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଶାତ୍ରୁଭାତ୍ରୀ, ପ୍ରତିନିଧି ମଞ୍ଚଙ୍କଙ୍କ ଉଦ୍ବୋଧନ ଦେଇଥିଲୋ। ଏହି ଅବସରରେ ଅନୁଷ୍ଠାନର ସାଂସ୍କୃତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ‘ଓରାୟନ’ର ହେବସାଇଟକୁ ପୂଜ୍ୟ ଗୁରୁବେବ ଉଚ୍ଚକାଳ କରିଥିଲୋ। ଏହା ସହିତ ଅନୁଷ୍ଠାନର ଉଚ୍ଚକାଳ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ଡବି ନୂଆ ବିଷୟର ସୂଚନା ପ୍ରଦାନ କରାଯାଉଥିଲା। ଏହି ମହାସତ୍ସଙ୍ଗ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତ୍ର ଉଚ୍ଚର ନବ ଲାଲ, ଅଧ୍ୟୟତ୍ମା ରଜିତା କୁଳକର୍ତ୍ତା, ପରିଚାଳନା ବୋର୍ଡର ବିନୋଦ ମେନନ୍, ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ।



ଆସତ୍ତାକାଳି ସକାଳ ୧୦ଟାରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଜାତୀୟ ମାନବ ସମ୍ବଲ ବିକାଶ ବିଭାଗ ମିଳିତ ଉଦ୍ୟମରେ ଅନୁଷ୍ଠାନ ପରିସରରେ ‘କର୍ମଶୈତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ’ ଶାର୍ଷଳ କର୍ମଶାଳା - ଆୟୋଜନ କରାଯିବା ଏଥିରେ କେତ୍ର ପେଟ୍ରୋଲିଯମ ମନ୍ତ୍ରୀ ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ,

ରାଜ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ସାମନ୍ତ ଅଭିଯ୍ୟନ ଭାବେ ଯୋଗଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି। ଏହା ଛତା ଅପରାହ୍ନ ୫ଟାରେ କଟକ ବଢମେତିକାଳଠାରେ ‘ସାମ୍ବା ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକତା’ ଶାର୍ଷଳ କର୍ମଶାଳାରେ ପୂଜ୍ୟ ଗୁରୁବେବ ଉଦ୍ବୋଧନ ଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି।

# ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ

CUTTACK

ପୁରୁଷ ୧୪ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭

Thursday 14 December 2017

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘ମହାସତ୍ସଙ୍ଗ’

ଆତ୍ମିକ ସୁଖ ମାନସିକ ସୁଖଠାରୁ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ମଣିଷଙ୍କର ଆତ୍ମା ସିଧାସଳଗ ଭଗବାନଙ୍କ ସହ ଯୋତି ହୋଇଥାଏା ମନର ସୁଖକୁ ଭୁଷେପ ନକରି ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଚେତନା ଓ ଅଭ୍ୟାସ ଦ୍ୱାରା ମଣିଷ ଶୁଣିଲିତ ହୋଇପାରିବ ବୋଲି ପୂଜ୍ୟ ଗୁରୁଦେବ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ନହିଁଛନ୍ତି । ଆଜି ସଂଧ୍ୟାରେ ନରାଜସିତ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ଆୟୋଜିତ ‘ମହାସତ୍ସଙ୍ଗ’ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଉଦ୍‌ବୋଧନ ଦେଇ ଗୁରୁଦେବ କହିଲେ, ଗୋଟିଏ ଆଲୋକବର୍ଷିକା ଅନେକ ଅନ୍ତକାରକୁ ଦୂର କରିଥାଏା ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକତା ସାଧାରଣ ମଣିଷକୁ ଉଚ୍ଚଳ ଆଲୋକବର୍ଷିକାରେ ପରିଣତ କରିଥାଏ ବୋଲି ପୂଜ୍ୟ ଗୁରୁଦେବ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ଉପସିତ ଛାଡ଼ୁଛାନ୍ତା, ପ୍ରତିନିଧି ମଞ୍ଜଳୀଙ୍କୁ ଉଦ୍‌ବୋଧନ ଦେଇଥିଲୋ । ଏହି ଅବସରରେ ଅନୁଷ୍ଠାନର ସାଂଘ୍ୟତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ‘ଓରାୟନ’ର ଛେବସାରଟଙ୍କୁ ପୂଜ୍ୟ ଗୁରୁଦେବ ଉଦ୍ଦୋଗନ କରିଥିଲୋ । ଏହା ସହିତ ଅନୁଷ୍ଠାନରେ ତଳିତବର୍ଷ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ତରି ନୂଆ ବିଷୟର ସୁଭନ୍ଦା ପ୍ରଦାନ କରାଯାଉଥିଲା । ଏହି ମହାସତ୍ସଙ୍ଗ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ଉଦ୍ଧବ ନନ୍ଦ ଲାଲ, ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ରଜିତା କୁଳକଣ୍ଠ, ପରିଚାଳନା ବୋର୍ଡର ବିନୋଦ ମେନନ୍ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ ।



ଆସତ୍ରାକାରି ସକାଳ ୧୦ଟାରେ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଜାତୀୟ ମାନବ ସମ୍ବଲ ବିକାଶ ବିଭାଗ ମିଳିତ ଉଦ୍ୟମରେ ଅନୁଷ୍ଠାନ ପରିସରରେ ‘କର୍ମଶୈତ୍ରରେ ଆନନ୍ଦ’ ଶାର୍ଷକ କର୍ମଶାଳା ଆୟୋଜନ କରାଯିବା ଏଥିରେ କେନ୍ଦ୍ର ପେଟ୍ରୋଲିଯମ ମନ୍ଦ୍ର ଧର୍ମସ୍ତ୍ର ପ୍ରଧାନ,

ରାଜ୍ୟ ମନ୍ଦ୍ର ପୁଫୁଲ ସାମଳ ଅତିଥି ଜାବେ ଯୋଗଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି । ଏହା ଛତା ଅପରାହ୍ନ ୫୮ାରେ କଟକ ବଢ଼ମେତିକାଳଠାରେ ‘ସ୍ଵାସ୍ଥ୍ୟ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକତା’ ଶାର୍ଷକ କର୍ମଶାଳାରେ ପୂଜ୍ୟ ଗୁରୁଦେବ ଉଦ୍‌ବୋଧନ ଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି ।

# ବୁଦ୍ଧିଜୀବି

BHUBANESWAR 15 DECEMBER 2017

## ବୁଦ୍ଧିଜୀବିର ବ୍ୟାକ୍ କେଣ୍ଟା ମନ୍ତ୍ରମାଳାର ବ୍ୟୁଦ୍ଧ ହେଲାକିମାରୀ

କୋର୍ଟ, ୧୯୧୨(ଜିମ୍ବ): ଜନକ ଜନକ କୁମାର ଶ୍ରୀ ଦିଶ୍ଵଦେବାଳୁଙ୍ଗର ଜରନ୍ତରେତ୍ରର ଆବଦା ଶାର୍କି କାତାଯାପରାରୁ ଜମଣାଳୀ ଅଛିବୁଟ କୋମାରୀ ଶ୍ରୀ ଶାନ୍ତିକିଷ୍ଣ ମାନଦ ସନ୍ଦେଖ୍ୟ ନିକିଟ ଆନ୍ଦୋଳନର ସହିଁ ଉତ୍ସବରେ ବ୍ୟାକ୍ ହେଲାକିମାରୀ

5 DECEMBER 2017 | SRI SRI UNIVERSITY



ଜନମାନ୍ଦର କାଳରେ ବ୍ୟାକ୍ କିମାରୀ

ସୁଚର୍ଚାର ଭାଷା ଓ ଅଭିନ୍ନ ପରିଚାଯ ପ୍ରଦାନ କରିଯିବା କେବେ ବିଶ୍ୱଦେଶୀୟ ସକାରତି କରିବା ମୂଳକ୍ରମ ପକ୍ୟବାଦ ଥିର୍ଥରେ ରହିଥିଲେ । ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ବ୍ୟୁଦ୍ଧର ବ୍ୟାକ୍ କେମାରୀ ଏବଂ ସାଥେ ଦିଶ୍ଵଦେବାଳୁଙ୍ଗର କିମାରୀ ଏବଂ ସାଥେ ଦିଶ୍ଵଦେବାଳୁଙ୍ଗର କିମାରୀ

ବ୍ୟୁଦ୍ଧର ଭାଷାରେ ଅଭିନ୍ନ ପରିଚାଯ ପ୍ରଦାନ କରିବା କେବେ ବିଶ୍ୱଦେଶୀୟ ସକାରତି କରିବା ମୂଳକ୍ରମ ପକ୍ୟବାଦ ଥିର୍ଥରେ ରହିଥିଲେ । କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ବ୍ୟୁଦ୍ଧର ଭାଷାରେ ଅଭିନ୍ନ ପରିଚାଯ ପ୍ରଦାନ କରିବା କେବେ ବିଶ୍ୱଦେଶୀୟ ସକାରତି କରିବା ମୂଳକ୍ରମ ପକ୍ୟବାଦ ଥିର୍ଥରେ ରହିଥିଲେ । କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ବ୍ୟୁଦ୍ଧର ଭାଷାରେ ଅଭିନ୍ନ ପରିଚାଯ ପ୍ରଦାନ କରିବା କେବେ ବିଶ୍ୱଦେଶୀୟ ସକାରତି କରିବା ମୂଳକ୍ରମ ପକ୍ୟବାଦ ଥିର୍ଥରେ ରହିଥିଲେ । କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ବ୍ୟୁଦ୍ଧର ଭାଷାରେ ଅଭିନ୍ନ ପରିଚାଯ ପ୍ରଦାନ କରିବା କେବେ ବିଶ୍ୱଦେଶୀୟ ସକାରତି କରିବା ମୂଳକ୍ରମ ପକ୍ୟବାଦ ଥିର୍ଥରେ ରହିଥିଲେ ।

କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ବ୍ୟୁଦ୍ଧର ଭାଷାରେ ଅଭିନ୍ନ ପରିଚାଯ ପ୍ରଦାନ କରିବା କେବେ ବିଶ୍ୱଦେଶୀୟ ସକାରତି କରିବା ମୂଳକ୍ରମ ପକ୍ୟବାଦ ଥିର୍ଥରେ ରହିଥିଲେ । କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ବ୍ୟୁଦ୍ଧର ଭାଷାରେ ଅଭିନ୍ନ ପରିଚାଯ ପ୍ରଦାନ କରିବା କେବେ ବିଶ୍ୱଦେଶୀୟ ସକାରତି କରିବା ମୂଳକ୍ରମ ପକ୍ୟବାଦ ଥିର୍ଥରେ ରହିଥିଲେ । କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ବ୍ୟୁଦ୍ଧର ଭାଷାରେ ଅଭିନ୍ନ ପରିଚାଯ ପ୍ରଦାନ କରିବା କେବେ ବିଶ୍ୱଦେଶୀୟ ସକାରତି କରିବା ମୂଳକ୍ରମ ପକ୍ୟବାଦ ଥିର୍ଥରେ ରହିଥିଲେ ।

କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ବ୍ୟୁଦ୍ଧର ଭାଷାରେ ଅଭିନ୍ନ ପରିଚାଯ ପ୍ରଦାନ କରିବା କେବେ ବିଶ୍ୱଦେଶୀୟ ସକାରତି କରିବା ମୂଳକ୍ରମ ପକ୍ୟବାଦ ଥିର୍ଥରେ ରହିଥିଲେ ।

SAMBAD

# ବୁଦ୍ଧି

କୁରୁତାର ୧୪ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭

୨୯ ପୃଷ୍ଠା, ମୂଲ୍ୟ ୫ ଟଙ୍କା

Bhubaneswar

Thursday 14 December 2017



ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶାଳରଙ୍କୁ ଭୁବନେଶ୍ୱର ବିମାନବନ୍ଦର ବିପୁଳ ସମ୍ମର୍ହଳା

# SRI SRI UNIVERSITY PRESS CLIPPING



3<sup>rd</sup> December, 2017.Cuttack

## ୧୪ରେ ଏସ୍‌ସିବି ଆସିବେ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର

କଟକ, ୩୧୧୨(ଜମିସ): ଏସ୍‌ସିବି ମେଡିକାଲ୍ କଲେଜର ସିନିଆର୍ ରେସିଟେଷ୍ଣ ତାତ୍କର ସଂଘ ପକ୍ଷରୁ ଆସନ୍ତା ହେବାରେ ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ ପାଳନ୍ କରାଯିବା ମେଡିକାଲ୍ ପଢିଆରେ ଆୟୋଜିତ ହେବାକୁ ଥିବା ଏହି ଉତ୍ସବରେ ଆଧାତ୍ମିକ ଗୁରୁ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେବୋ ମେଡିକାଲ୍ରେ ବିଭିନ୍ନ ଛାତ୍ର ଓ ତାତ୍କର ସଂଗଠନ ପକ୍ଷରୁ ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ ପାଳନ କରାଯାଉଥିବା ବେଳେ ଟଙ୍କାଟଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କରାଯାଉଥାଏ । କିନ୍ତୁ ଏଥର ଏକ ଆଧାତ୍ମିକ ପରିବେଶ ମଧ୍ୟରେ ସିନିଆର୍ ରେସିଟେଷ୍ଣ ସଂଘ ଏହାକୁ ପାଳନ କରିବାକୁ ଯୋଜନା କରିଛି । ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ଉତ୍ସବ ସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ମେଡିକାଲ୍ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ବେଳେ ଗାନ୍ଧି କରି ତାଙ୍କୁ ସ୍ଵାଗତ କରିବା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରଖାଯାଇଛି । ଏହି ଉତ୍ସବରେ ଅନ୍ୟତମ ଅତିଥି ଭାବେ ଅର୍ଥମନ୍ତ୍ରୀ ଶଶୀଭୂଷଣ ବେହେରା ଓ ବିଧାୟକ ଦେବାଣିଷ ସାମଜିକ ଯୋଗଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି । ଉତ୍ସବରେ କାର୍ଯ୍ୟସଳରେ ଖୁସି ବାତାବରଣ କିପରି ଅବଳମ୍ବନ କରାଯାଇପାରିବ ତାହା ଉପରେ ଆଲୋଚନା କରାଯିବା ଏଥିସହିତ ତାତ୍କରୀ ପେସାରେ ଆଧାତ୍ମିକତା ଆବଶ୍ୟକତା ସମ୍ବଲରେ ମଧ୍ୟ ଗୁରୁଜୀ ଉପଦେଶ ଦେବେ ଗୋଲି ସଂଘର ସମ୍ମାଦକ ତାତ୍କର ଜ୍ୟୋତି ରଙ୍ଗନ ନାୟକ ଜଣାଇଛନ୍ତି ।

# SRI SRI UNIVERSITY PRESS CLIPPING



3<sup>rd</sup> December, 2017.Cuttack

## ୧୪୬୭ ଏସ୍‌ସିବି ଆସିବେ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର

କଟକ, ନାୟିନାରାତ୍ରି (ଜମିସାହିତୀ) : ଏସ୍‌ସିବି ମେଡିକାଲ୍ କଲେଜର ସିନିଆର ରେସିଟେଷ୍ଣ ତାତ୍କାର ସଂଘ ପକ୍ଷରୁ ଆସନ୍ତା ଏହି ତାରିଖରେ ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ ପାଳନ କରାଯିବା ମେଡିକାଲ୍ ପଦ୍ଧିଆରେ ଆଯୋଜିତ ହେବାକୁ ଥିବା ଏହି ଉତ୍ସବରେ ଆଧାର୍ତ୍ତିକ ଗୁରୁ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦିବେବୋ ମେଡିକାଲ୍ ରେ ବିଭିନ୍ନ ଛାତ୍ର ଓ ତାତ୍କାର ସଂଗଠନ ପକ୍ଷରୁ ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ ପାଳନ କରାଯାଉଥିବା ବେଳେ ରଙ୍ଗାରଙ୍ଗ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କରାଯାଇଥାଏ । କିନ୍ତୁ ଏଥର ଏକ ଆଧାର୍ତ୍ତିକ ପରିବେଶ ମଧ୍ୟରେ ସିନିଆର ରେସିଟେଷ୍ଣ ସଂଘ ଏହାକୁ ପାଳନ କରିବାକୁ ଯୋଜନା କରିଛି । ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶଙ୍କର ଉତ୍ସବ ସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ମେଡିକାଲ୍ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ କେବଳ ଗାନ୍ଧି ଜନ୍ମ ମୁଗ୍ଧତା କରିବା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରଖାଯାଇଛନ୍ତି । ଏହି ଉତ୍ସବରେ ଅନ୍ୟତମ ଅତିଥି ଭାବେ ଅର୍ଥମନ୍ତ୍ରୀ ଶଶୀଭୂତଣ ବେହେରା ଓ ବିଧାୟକ ଦେବାଶିଷ ସାମରାୟ ଯୋଗଦିବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି । ଉତ୍ସବରେ କାର୍ଯ୍ୟସ୍ଥଳରେ ଖୁସି ବାତାବରଣ କିପରି ଅବଲମ୍ବନ କରାଯାଇପାରିବ ତାହା ଭଗରେ ଆଲୋଚନା କରାଯିବା ଏଥିପରିବିତ ତାତ୍କାରୀ ପେସାରେ ଆଧାର୍ତ୍ତିକତା ଆବଶ୍ୟକତା ସମ୍ବନ୍ଧରେ ମଧ୍ୟ ଗୁରୁଜୀ ଉପଦେଶ ଦେବେ ବୋଲି ସଂଘର ସମ୍ବନ୍ଧରେ ତାତ୍କାର ଜ୍ୟୋତି ରଂଜନ ନାୟକ ଜଣାଇଛନ୍ତି ।



15<sup>th</sup> December 2017, Friday

୧୫ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭, ଶୁଭବାର

## ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ 'ହାପିନେସ୍ ଆର୍ଟ ବାର୍କପ୍ଲେସ' ରାତ୍ରୀଯ ସେମିନାର ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାୟ୍ୟ: ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର



ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୪ | ୧୨ | ୨୦୧୭: ହୃଦ୍ଦର ବ୍ୟାଗ୍ରମ୍ ଏବଳେ ସମାଜରେ ଦୃଷ୍ଟାଦୃକ୍ ସ୍ଥିତି ଉନ୍ନିଥିବା ପାଇଁ ଅଭ୍ୟୋଗ ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହାପିନେସ୍ ଆର୍ଟ ବାର୍କପ୍ଲେସ' ରାତ୍ରୀଯ ସେମିନାରରେ

କହିଛନ୍ତି କେତ୍ର ପେଟ୍ରୋଲିଯମ, ପ୍ରାକୃତିକ ଗ୍ୟାସ, ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ ଓ ଉଦ୍ୟମିତା ମନ୍ତ୍ରୀ ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ। ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ସାରା ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତିର ବାର୍ଗା ଦେବା ପାଇଁ ଓଡ଼ିଶା ଏକ ଅନନ୍ତ ଭୂଷଣ। ନଳିଙ୍ଗ ସୁନ୍ଦର ଘନଘରା ଭିତରେ ଚନ୍ଦାଶୋକକୁ

ଧର୍ମାଶୋକରେ ପରିଶତ କରିବାରେ ଓଡ଼ିଶା ମାଟି ନେଇଥିଲା ଗୁରୁଦ୍ଵାରା ଭୂମିକା। ସାଂପ୍ରତିକ ସମାଜରେ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ରର ସମଗ୍ରୀ ବିଶ୍ୱରେ ଶାନ୍ତି ଓ ସଦାବନା ବାର୍ଗା ପ୍ରତାରକ ପ୍ରତାକ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଓଡ଼ିଶା ମାଟିର ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମାଜ ଓ ରାତ୍ରୀଯ ଶାନ୍ତି ଓ ଖୁସି ପାଇଁ ଗୁରୁଦ୍ଵାରା ଭୂମିକା ନେବେ ବେଳି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ର ସମେତ ଜୀବନରେ ଶାନ୍ତି ଅତ୍ୟକ୍ତ ଜୀବନ। ସମାଜର ଦୃଷ୍ଟାଦୃକ୍ ପରିଷ୍କାରିତାପାଇଁ ଅଧିକାର ସବୁ ଆତେ ଅଶାନ୍ତିର ବାତାବରଣ ରହିଛି। ଯେଉଁକି ଅଛି ସେବକରେ ସତ୍ୱର୍ତ୍ତନ ନ ହେବାରୁ ହେଉଁ ଅସତ୍ୱରେ ବାତାବରଣ ଦିଆରି ହେଉଁଛି। ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିର ମନ ଭିତରେ ଏହି ଦୃଷ୍ଟି ଲାଗି ରହିଛି। ଗୁରୁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରବିଶକ୍ରର ସମଗ୍ରୀ ଭାରତ ବର୍ଷକୁ ଶାନ୍ତି ପାଇଁ ନୁଆ ଦୃଷ୍ଟିକୋଣ ଦେଉଛନ୍ତି।

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଷରରେ ଯୋଗ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ ଦ୍ୱାରା ସାର୍ତ୍ତପିକେଟ ପ୍ରଦାନ ଅବସରରେ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଦେଶରେ ୧୩୦ କୋଟି ଜନତାରୁ ୪୦ କୋଟି ପ୍ରତ୍ୟେକ କାମ କରି ରୋଜଗାର କରୁଛନ୍ତି। ମାତ୍ର ଏହି ମୋର କାମ କରୁଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିବିଶେଷ ଜିତରୁ ଦଶ ପ୍ରତିଶତ ଲୋକଙ୍କର କାମ କରିବା ନେଇ ଭିନ୍ନ ବା ସାର୍ତ୍ତପିକେଟ ଅଛି। ଯେଉଁମାନେ କାମ କରୁଛନ୍ତି ରୋଜଗାର ପାଇଁ ସେମାନଙ୍କୁ ସାର୍ତ୍ତପିକେଟର ଆବଶ୍ୟକତା ନ ଥିବା ବେଳେ ବର୍ଷମାନ ସମୟରେ କାମ କରିବାର ଯୋଗ୍ୟତା ସମ୍ଭବରେ ପ୍ରମାଣପତ୍ର ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇପାରୁଛି। ଏପରି ପରିଷିତିରେ ଓଡ଼ିଶାର ଗାଁ ଗାଁରେ ସୁବକ ମାନଙ୍କୁ ଆରପିଏଲ ସାର୍ତ୍ତପିକେଟ ଯୋଗାଇ ଦେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟଙ୍କୁ ସାମିଲ ହେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ ଆହ୍ଵାନ କରିଛନ୍ତି।

ସମ୍ବଦ କାଳିକା  
ମେଲା

23 YEARS

e-paper [www.sambad.com](http://www.sambad.com)



TM

15<sup>th</sup> December 2017, Friday

୧୫ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭, ଶୁଭବାର

ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ 'ହାପିନେସ୍ ଆର୍ଟ୍ ବାର୍କ୍‌ଫ୍ୟେସ୍' ଗାନ୍ଧୀଯ ସେମିନାର

## ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାର୍ୟ: ଧର୍ମେତ୍ର



କୁବନେଶ୍ୱର, ୧୪।୧୨।୨୦୧୭ ହୃଦୟର ହୃଦୟର  
ସମାଜରେ ଦୃଢ଼ାତ୍ମକ ଶିତ୍ତ ରହିଥିବା  
ବେଳେ ସମାଜରେ ଶାନ୍ତି ମାନବ ସମାଜ  
ପାଇଁ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଶ୍ରୀଶ୍ରୀ  
ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହାପିନେସ୍  
ଆର୍ଟ୍ ବାର୍କ୍‌ଫ୍ୟେସ୍ ଗାନ୍ଧୀଯ ସେମିନାରରେ

ନହିଁଛନ୍ତି କେତ୍ର ପେଡ୍ରୋଲିସମ, ପ୍ରାକୃତିକ  
ଜ୍ୟୋତିଶ, ଦଶତା ବିକାଶ ଓ ଉତ୍ସମିତି ମହା  
ଧର୍ମେତ୍ର ପ୍ରଧାନ । ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି  
ଯେ ସାରା ଦିଶ୍ରୂଷେ ଶାନ୍ତିର ବାର୍ତ୍ତା ଦେବା  
ପାଇଁ ଓଡ଼ିଶା ଏକ ଅନ୍ତର୍ମଧ୍ୟ କୃଷ୍ଣା । ବନ୍ଦିଗ  
ଯୁଦ୍ଧର ଘନଗତୀ ଭିତରେ ବଞ୍ଚାଗୋକରୁ

ଧର୍ମାଖ୍ୟାତରେ ପରିଣତ କରିବାରେ  
ଓଡ଼ିଶା ମାତ୍ର ନେଇଥିଲା ଗୁରୁତ୍ବପୂର୍ଣ୍ଣ  
ଭୂମିକା । ସାଂପ୍ରତିକ ସମାଜରେ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ  
ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରଦ୍ଧିଶକ୍ର ସମଗ୍ର ବିଶ୍ୱରେ  
ଶାନ୍ତି ଓ ସତ୍ୟବନ୍ଦନ ବାର୍ତ୍ତା ପ୍ରତରତ ପ୍ରତାକ  
ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଓଡ଼ିଶା ମାତ୍ରର ଶ୍ରୀ  
ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସମାଜ ଓ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ  
ଶାନ୍ତି ଓ ସ୍ମୃତି ପାଇଁ ଗୁରୁତ୍ବପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା  
ନେବା ବୋଲି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ  
ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ର ସମେତ  
ବୀବନରେ ଶାନ୍ତି ଅତ୍ୟନ୍ତ ବନ୍ଧୁତା ।  
ସମାଜର ଦୃଢ଼ାତ୍ମକ ପରିଷତି ପାଇଁ ଅଧିସ୍-  
ପର ସବୁ ଆବେ ଅଶାନ୍ତିର ବାଚାବନା  
ରହିଛନ୍ତି । ଯେତିବି ଅଛି ସେତିକରେ ସତ୍ୟ  
ନ ହେବାରୁ ହିଁ ଅସାଧ୍ୟ ବାଚାବନାର  
ଦିଆଗି ହେବାକି । ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିର ମନ  
ଭିତରେ ଏହି ବ୍ୟକ୍ତି ଲାଗି ରହିଛି । ଗୁରୁ  
ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ରଦ୍ଧିଶକ୍ର ସମଗ୍ର ଭାବରେ ବର୍ଷକୁ  
ଶାନ୍ତି ପାଇଁ ଦୂଆ ଦୂ ଦିକୋଣା ଦେଉଛନ୍ତି ।

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ଯୋଗ  
ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ ବିଲ୍ ସାର୍ଟିଫିକେଟ ପ୍ରଦାନ  
ଅବସରରେ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ  
ଦେଶରେ ୧୩୦ ଲୋଟି ଜଳଗାରୁ ୪୦  
କେଟି ପ୍ରତ୍ୟେ ଭାବି କରି ଭୋଲଗାର  
କରୁଛନ୍ତି । ମାତ୍ର ଏହି ଭାବି କରୁଥିବା  
ବ୍ୟକ୍ତିବିଶେଷ ଭିତରୁ ଦଶ ପ୍ରତିଶତ  
ଲୋକଙ୍କର ଭାବି କରିବା ନେଇ ତିର୍ଯ୍ୟାନ  
ସାର୍ଟିଫିକେଟ ଅଛି । ଯେଉଁମାନେ ଭାବ  
କରୁଛନ୍ତି ଭୋଲଗାର ପାଇଁ ସମାନଙ୍କୁ  
ସାର୍ଟିଫିକେଟର ଆବଶ୍ୟକତା ନ ଥିବା  
ବେଳେ ବର୍ଷମାନ ସମୟରେ ଭାବ  
କରି ବାର ଯୋଜାଯାଇ । ସମୟରେ  
ପ୍ରମାଣପତ୍ର ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇପାରିଛି ।  
ଏପରି ପରିଷିତିରେ ଓଡ଼ିଶାର ଗୋଟିଏକ  
ସୁବିଧା ମାନଙ୍କୁ ଆବଶ୍ୟକ ସାର୍ଟିଫିକେଟ  
ଯୋଗାଇ ଦେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ  
ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟଙ୍କ ସାମିଲ ହେବା ପାଇଁ ଶ୍ରୀ  
ପ୍ରଧାନ ଆହ୍ୱାନ କରିଛନ୍ତି ।

# କୁଳାଳ

Sarbasadharana

BHUBANESWAR | FRIDAY 15 DECEMBER 2017

ମେଁ ୧୬, ୧୯୯୫ ରାତରେ ୨୦୦୬ ୨୦୧୫

କ୍ରୀଏସିଆର୍ଜନ୍ ପାଇଁ ଖାତାକ୍ଷତରେ ଉପରେ ଥିଲା କେବଳାଂବ ପରିଚାଳନା ମହିମାମର୍ମର ଶବ୍ଦ ।

## କୁଳାଳ ପାଇଁ ଶରୀରରେ ଗୋଟିଏ ଗୋଟିଏ ପାଇଁ କୁଳାଳ

ଆହୁରିର ଅଣିରଣ ପାଇଁ ପରିଚାଳନା କେବଳାଂବ ହୀ ନାହିଁ । ପରିଚାଳନା କେବଳାଂବ ହୀ ନାହିଁ । କୁଳାଳ ପାଇଁ ପରିଚାଳନା କେବଳାଂବ ହୀ ନାହିଁ ।



ଅବ୍ୟାକ୍ଷମ ମହିମାମର୍ମର ଶବ୍ଦରେ କୁଳାଳ ପାଇଁ ପରିଚାଳନା କେବଳାଂବ ହୀ ନାହିଁ । କୁଳାଳ ପାଇଁ ପରିଚାଳନା କେବଳାଂବ ହୀ ନାହିଁ । କୁଳାଳ ପାଇଁ ପରିଚାଳନା କେବଳାଂବ ହୀ ନାହିଁ ।

କୁଳାଳ ପାଇଁ ପରିଚାଳନା

କୁଳାଳ ପାଇଁ ପରିଚାଳନା

କୁଳାଳ ପାଇଁ ପରିଚାଳନା

କୁଳାଳ ପାଇଁ ପରିଚାଳନା

# ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

Sarbasadharana

THURSDAY 14 DECEMBER 2017

ପୁରୁଷ, ୧୫ ଦିସେମ୍ବର ୨୦୧୭



ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତାତ୍ମକ ପାଠ ଉପରେ ଆଖାଦିକ ପତ୍ର ଉଚ୍ଚିଷ୍ଟାରେ

# ଶ୍ରୀ ସର୍ବସାଧାରଣା

sarbasadharana

ଭୁବନେଶ୍ୱର/ମୁଦ୍ରଣ: (ସ୍କ୍ରିପ୍ଟ): କାନ୍ତି  
ଶ୍ରୀ ସର୍ବସାଧାରଣା ଏଟି ଏକ ସମ୍ମାନିତ ପାତା  
ଅଛି ସାହେବଙ୍କ ପରିମୁଦ୍ରିତ ପାତା  
ଅଛି ସାହେବଙ୍କ ପରିମୁଦ୍ରିତ ପାତା  
ଅଛି ସାହେବଙ୍କ ପରିମୁଦ୍ରିତ ପାତା  
ଅଛି ସାହେବଙ୍କ ପରିମୁଦ୍ରିତ ପାତା

ଜୁଲାଇ, ୧୯ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୧୭ |

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ‘ହାପିନେସ୍ ଆଟ୍ ଓର୍କ୍ଷେମ୍ପ୍ଲେସ୍’ ଜାତୀୟ ସେମିନାର

## ପରିବାର ଓ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ଶାନ୍ତି ଅପରିହାୟ୍ୟ: ଧର୍ମେତ୍ର

ଭୁବନେଶ୍ୱର/ମୁଦ୍ରଣ, (ସ୍କ୍ରିପ୍ଟ): କାନ୍ତି  
ଶ୍ରୀ ସର୍ବସାଧାରଣା ଏଟି ଏକ ସମ୍ମାନିତ ପାତା  
ଅଛି ସାହେବଙ୍କ ପରିମୁଦ୍ରିତ ପାତା



ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁକ୍ରମ  
'ହାପିନେସ୍ ଆଟ୍ ଓର୍କ୍ଷେମ୍ପ୍ଲେସ୍'

କାନ୍ତିଶାମକରେ ଯୋଗ ଦେଇ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ  
ଦେଇନ୍ଦ୍ରଚିତ୍ର ଯେ ସାହେବଙ୍କ ପରିମୁଦ୍ରିତ  
ପାତାରେ ଆଟ୍ ଓର୍କ୍ଷେମ୍ପ୍ଲେସ୍ ଆପରେସନ  
କରିଛନ୍ତି।

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁକ୍ରମ  
'ହାପିନେସ୍ ଆଟ୍ ଓର୍କ୍ଷେମ୍ପ୍ଲେସ୍'

କାନ୍ତିଶାମକରେ ଯୋଗ ଦେଇ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ  
ଦେଇନ୍ଦ୍ରଚିତ୍ର ଯେ ସାହେବଙ୍କ ପରିମୁଦ୍ରିତ  
ପାତାରେ ଆଟ୍ ଓର୍କ୍ଷେମ୍ପ୍ଲେସ୍ ଆପରେସନ  
କରିଛନ୍ତି।

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁକ୍ରମ  
'ହାପିନେସ୍ ଆଟ୍ ଓର୍କ୍ଷେମ୍ପ୍ଲେସ୍'

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁକ୍ରମ  
'ହାପିନେସ୍ ଆଟ୍ ଓର୍କ୍ଷେମ୍ପ୍ଲେସ୍'

ଯେହ ଶ୍ରୀଶାକୁନ୍ତୁ କଣ୍ଠରେ ଆର୍ଦ୍ଧାର୍ଦ୍ଧ  
ପ୍ରଦାନ ଅନୁକ୍ରମରେ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ ଦେଇନ୍ଦ୍ରଚିତ୍ର  
ଯେ ଦେଇନ୍ଦ୍ରଚିତ୍ର ଆଟ୍ ଓର୍କ୍ଷେମ୍ପ୍ଲେସ୍ ଆପରେସନ  
କରିଛନ୍ତି। ନାରୁ ଏମାତ୍ରାରୁ ରୋଗିତା  
ମୁକ୍ତି କରିବାକୁ କାମ କରିବାକୁ ଜୀବନ କରିବାକୁ  
ପାରିବାକୁ ବନ୍ଦିତ କରିବାକୁ କରିବାକୁ କରିବାକୁ  
କରିବାକୁ କରିବାକୁ କରିବାକୁ କରିବାକୁ  
କରିବାକୁ କରିବାକୁ କରିବାକୁ କରିବାକୁ

ପ୍ରମାଣିତ ହେଲାଏବେ କି କିମ୍ବା  
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା  
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

ପ୍ରାଣିକାନ୍ତରେ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ  
କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ  
କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ  
କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ



କେବଳ ପାଦମଣି ହେଲା, ତାହାର  
ଶବ୍ଦମାତ୍ର ପାଦମଣି ହେଲା

A close-up photograph of the cylinder head assembly, showing the intake and exhaust ports. The intake port is on the left, and the exhaust port is on the right. The cylinder head is made of a light-colored metal and has several bolts and nuts visible.

# తెలుగు జాపిడా

గురువారం 14 డిసెంబరు 2017



# SRI SRI UNIVERSITY

## PRESS CLIPPING

### TIMES OF INDIA



Sri Sri Ravi Shankar attends a function at SCB Medical College and Hospital in Cuttack on Thursday